





# नवरात्रि पर लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह टाउन ने किया कन्या पूजन

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नवरात्रि के पावन अवसर पर लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह टाउन की ओर से शुक्रवार को राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, पंचबा में कन्या पूजन, प्रसाद वितरण एवं पानी की बोतल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

धार्मिक आस्था, सामाजिक सरोकार और सेवा भावना से जुड़े इस कार्यक्रम के माध्यम से क्लब ने नारी सम्मान, बाल कल्याण और मानवीय संवेदनाओं का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का प्रतीक मानकर नौ कन्याओं के विधिवत पूजन के साथ हुई। इस दौरान कन्याओं को उपहार भेंट कर उनका सम्मान किया गया। इसके बाद विद्यालय में पढ़ने वाले लगभग 200 बच्चों के बीच प्रसाद का वितरण किया



गया। बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने और उनकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए क्लब की सामाजिक सेवा पहल छाछेटी सी मुस्कानहू के तहत सभी बच्चों को पानी की बोतलें भी प्रदान की गईं। इस पहल के माध्यम से क्लब ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि लोहारों की वास्तविक खुशी केवल

पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंदों के साथ खुशियां बांटने और बच्चों के जीवन में प्रसन्नता लाने में भी निहित है। बच्चों को उपयोगी उपहार देकर उनके प्रति स्नेह और अपनत्व का भाव प्रकट किया गया। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष लायन अनिल अग्रवाल एवं

सचिव एमजेएफ लायन साहिल कुमार ने कहा कि नवरात्रि केवल शक्ति की आराधना का पर्व नहीं है, बल्कि यह नारी सम्मान, संस्कार, सेवा और समाज के प्रति अपने दायित्वों को निभाने की प्रेरणा भी देता है। कन्या पूजन के माध्यम से जहां नारी शक्ति के प्रति सम्मान प्रकट किया जाता है, वहीं बच्चों के बीच सेवा कार्य करना समाज के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में एक सार्थक कदम है। उन्होंने कहा कि समाज में प्रेम, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत बनाने के लिए इस तरह के कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका है। छोटी-छोटी सेवा पहल भी किसी के चेहरे पर बड़ी मुस्कान ला सकती है। इसी भावना के साथ लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह

टाउन निरंतर सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों में अपनी भागीदारी निभा रहा है। लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह टाउन जरूरतमंदों की सहायता, बच्चों के कल्याण और सामुदायिक विकास के उद्देश्य से विभिन्न सेवा कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है। क्लब का मानना है कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा और सहयोग पहुंचाना ही सामाजिक दायित्वों का वास्तविक निर्वहन है। कार्यक्रम के माध्यम से क्लब ने छद्मेया ही हमारा धर्म, मानवता ही हमारा संकल्पहू के संदेश को आगे बढ़ाया। नवरात्रि के अवसर पर आयोजित इस पहल ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सेवा और बाल कल्याण के महत्व को भी रेखांकित किया।

झारखंड में पहली बार 10 से 12 दिसंबर तक होगा नेशनल फॉरेस्ट्री कांग्रेस-2026

रांची/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड में पहली बार नेशनल फॉरेस्ट्री कांग्रेस-2026 का आयोजन 10 से 12 दिसंबर तक किया जाएगा। झारखंड वन विभाग की ओर से भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआई), देहरादून और इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट प्रोडक्टिविटी, लालगुटवा के सहयोग से आयोजित होने वाले इस राष्ट्रीय सम्मेलन में वानिकी से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी। झारखंड के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख संजीव कुमार ने शुक्रवार को वन भवन में आयोजित प्रकरार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य वानिकी के विभिन्न पहलुओं पर वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और विशेषज्ञों को एक साझा मंच प्रदान करना है।

## संक्षिप्त समाचार

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी आमजनों की समस्याएं

हजारीबाग ब्यूरो/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। उपायुक्त श्री हेमन्त सती ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार आयोजित कर जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं क्षेत्रों से आए आमजनों की समस्याएं सुनीं। जनता दरबार में बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी व्यक्तिगत एवं जनसमस्याओं से संबंधित आवेदन उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत किए। उपायुक्त ने एक-एक कर फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना तथा संबंधित मामलों की जानकारी ली। उन्होंने प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों एवं पदाधिकारियों को भेजते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही, जिन मामलों का त्वरित स्तर पर समाधान संभव है, उनका प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन करने को कहा। इस दौरान आमजनों ने विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं एवं शिकायतों को उपायुक्त के समक्ष रखा। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त शिकायतों की जांच करते हुए पात्रता एवं नियमों के अनुरूप कार्रवाई करने तथा मामलों के निष्पादन में आवश्यक तत्परता बरतने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि आमजनों की समस्याओं को सुनना और उनका नियमानुसार समाधान सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जनता दरबार लोगों को अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रखने का सशक्त माध्यम है।



पलामू में खेल सुविधाओं के विस्तार को लेकर केंद्रीय मंत्री से मिले सांसद वीडी राम

पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम ने नई दिल्ली में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात की। इस दौरान पलामू संसदीय क्षेत्र में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने, खेल सुविधाओं के विस्तार और युवाओं को खेल के क्षेत्र में बेहतर अवसर उपलब्ध कराने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। सांसद विष्णु दयाल राम ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस मुलाकात की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्री के साथ क्षेत्र में खेल के विकास और युवाओं की खेल प्रतिभाओं को निखारने के विषय पर बातचीत हुई। मुलाकात का मुख्य उद्देश्य पलामू क्षेत्र में खेल सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा स्थानीय खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के अर्थिक अवसर उपलब्ध कराने से जुड़े विषयों पर ध्यान आकर्षित करना रहा।पलामू जैसे क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है, लेकिन खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाओं और उचित अवसरों की जरूरत है। ऐसी सुविधाओं के विस्तार से स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिल सकती है। सांसद की केंद्रीय मंत्री से हुई इस मुलाकात को क्षेत्र में खेल विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। अब क्षेत्र के खेल प्रेमियों और युवाओं की नजर इस बात पर रहेगी कि खेल सुविधाओं के विस्तार और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में आगे क्या कदम उठाए जाते हैं।

झारखंड के आठ अंगीभूत कॉलेज बनेंगे विश्वस्तरीय, आधुनिक सुविधाओं से होंगे लैस

रांची/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड सरकार ने राज्य में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और शैक्षणिक संस्थानों को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने राज्य के आठ अंगीभूत महाविद्यालयों को हार्स्टेट ऑफ द आर्ट्स संस्थान के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत कॉलेजों में आधुनिक आधारभूत संरचना, डिजिटल कक्षाएं, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं और उन्नत अनुसंधान सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाना है। इस योजना के लिए चयनित महाविद्यालयों में रांची विश्वविद्यालय के अंगरंग बिरसा कॉलेज, खुंटी, कोल्हान विश्वविद्यालय के बहरगोड़ा कॉलेज और जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज; सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के देवघर कॉलेज और एसपी कॉलेज, दुमका; विनोबा भावे विश्वविद्यालय के रामगढ़ कॉलेज; जेसी बाबू विश्वविद्यालय के अंतर्गत जे.जे. कॉलेज, झुमरी तिलैया और आरके महिला कॉलेज, गिरिडीह शामिल हैं। इन कॉलेजों में पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए हरित परिसर और ऊर्जा की कम खपत वाली इमारतें विकसित करने की भी योजना है। आधुनिक प्रयोगशालाओं, डिजिटल कक्षाओं और शोध केंद्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को वर्तमान तकनीकी एवं औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप शिक्षा देने पर जोर रहेगा। इससे पहले राज्य सरकार ने 17 सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों को भी आधुनिक संस्थानों के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। प्रत्येक पॉलिटेक्निक के विकास के लिए लगभग 5.5 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। इस राशि से आधुनिक शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भवन, छात्रावास, पुस्तकालय, खेल सुविधाएं और 500 लोगों को क्षमता वाले सभागार सहित विभिन्न सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

वैष्णवी सिन्हा ने कराटे में हासिल किया ब्लैक बेल्ट फर्स्ट डॉन

झारखंड स्तरीय ग्रेडेशन शिविर में शानदार प्रदर्शन, पांच वर्षों की निरंतर मेहनत का मिला सम्मान

हजारीबाग ब्यूरो/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शोतोकान कराटे-डू फेडरेशन, रांची-झारखंड द्वारा आयोजित कराटे ग्रेडेशन शिविर में हजारीबाग की वैष्णवी सिन्हा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्लैक बेल्ट-फर्स्ट डॉन (शोडान) की उपाधि हासिल की। रांची के पिस्का मोड़ स्थित अरबिंदो क्लब में 11 अक्टूबर 2026, रविवार को आयोजित इस ग्रेडेशन शिविर में पूरे झारखंड से 80 से अधिक प्रतिभागियों ने विभिन्न बेल्ट के लिए परीक्षा में हिस्सा लिया। ग्रेडेशन टेस्ट शोतोकान कराटे के चीफ एवं भारत के मुख्य प्रशिक्षक हांशी मानस सिन्हा के निदेशान में आयोजित किया गया। वैष्णवी ने कराटे की विभिन्न तकनीकी विधाओं में अपनी दक्षता का प्रदर्शन करते हुए काता, कुमिटे एवं गुप फाइटिंग में सफलतापूर्वक



परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद उन्हें कराटे में ब्लैक बेल्ट फर्स्ट डॉन (शोडान) प्रदान किया गया। वैष्णवी पिछले पांच वर्षों से लगातार कराटे का अभ्यास कर रही हैं। उन्होंने प्रारंभिक प्रशिक्षण सिहान नरेंद्र सिन्हा, भुरकुंडा से प्राप्त किया, जबकि वर्तमान में वह हजारीबाग में

हूए हैं। वैष्णवी को इस उपलब्धि पर उनके प्रशिक्षकों, परिजनों एवं शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उनकी यह सफलता न केवल परिवार और हजारीबाग के लिए गौरव की बात है, बल्कि अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायक है।

संसई चंद्र प्रकाश उपाध्याय से कराटे का प्रशिक्षण ले रही हैं। निरंतर अभ्यास, अनुशासन और मेहनत के बल पर उन्होंने यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। खास बात यह है कि वैष्णवी को कराटे का प्रशिक्षण पारिवारिक रूप से भी मिला है। उनके पिता बिमल कुमार सिन्हा स्वयं कराटे मास्टर रह चुके हैं और उन्होंने हांशी मानस सिन्हा से ब्लैक बेल्ट फोर्थ डॉन की डिग्री प्राप्त की है। श्री बिमल कुमार सिन्हा पिछले 33 वर्षों से शोतोकान कराटे से जुड़े

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर जोर

सेलहारा कला में आजीविका महिला ग्राम संगठन की वार्षिक सभा

चौपारण/हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सेलहारा कला में आजीविका महिला ग्राम संगठन की वार्षिक आमसभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने तथा स्वरोजगार के माध्यम से आजीविका के नए अवसर विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंचायत के मुखिया प्रवीण सिंह थे। वहीं झारखंड राज्य ग्रामीन बैंक बरही शाखा के प्रबंधक अविनाश सिंह, रामपुर शाखा के प्रबंधक मनोज कुमार, पंचायत सचिव केदार साव एवं



अतिथियों ने भाग लिया। सभा में महिला समूहों की भूमिका, स्वरोजगार, आजीविका के विभिन्न साधनों और बैंकिंग सुविधाओं के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि महिला समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं आर्थिक गतिविधियों से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकती हैं।

11 सूत्री मांगों पर अड़ी जेएलकेएम, सात दिनों में पहल नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

संगठन ने 11 सूत्री मांगों को लेकर शुक्रवार को रिमाइंडर नोटिस जारी करते हुए सात दिनों के भीतर सकारात्मक पहल करने का अल्टीमेटम दिया है

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। स्थानीय बेरोजगारों, विस्थापितों, प्रभावितों और मजदूरों की समस्याओं को लेकर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने कोलियरी प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संगठन ने 11 सूत्री मांगों को लेकर शुक्रवार को रिमाइंडर नोटिस जारी करते हुए सात दिनों के भीतर सकारात्मक पहल करने का अल्टीमेटम दिया है। मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी गई है। पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष रवि कुमार महतो के नेतृत्व में जारी नोटिस में कई महीनों से बंद लोकल सेल को चालू करने, आउटसीर्सिंग कंपनियों में 75 प्रतिशत स्थानीय रैयतों, विस्थापितों और प्रभावितों को रोजगार देने तथा

मजदूरों को उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) की निर्धारित दरों के अनुसार मानदेय देने की मांग की गई है। इसके अलावा, एक करोड़ रुपये तक के टेकेदारी कार्य स्थानीय बेरोजगारों को सीधे आवंटित करने की मांग उठाई गई है। संगठन ने लोकल सेल में लोडिंग दर 2,500 रुपये से बढ़ाकर 5,000 रुपये करने और रोड सेल के कोयले में 75 प्रतिशत हिस्सा स्थानीय बेरोजगार युवाओं को बंट दर पर उपलब्ध कराने की मांग भी की है। जेएलकेएम में कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) मद से रामगढ़ और हजारीबाग के लिए कॉलेज बस, एंबुलेंस और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था मजबूत करने, युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण देने तथा

रैयत-विस्थापित परिवारों में किसी सदस्य की मृत्यु होने पर दह-संस्कार के लिए कोयला उपलब्ध कराने की मांग भी शामिल है। केंद्रीय उपाध्यक्ष रवि कुमार महतो ने कहा कि संगठन की मांगें स्थानीय युवाओं के रोजगार, मजदूरों के अधिकार और क्षेत्र के समग्र विकास से जुड़ी हैं। प्रबंधन को समस्याओं के समाधान के लिए गंभीरता से पहल करनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि सात दिनों के भीतर मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं हुई, तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। नोटिस की प्रतिलिपि सीएमडी, रांची, महाप्रबंधक, हजारीबाग क्षेत्र, उपायुक्त, रामगढ़ और थाना प्रभारी, घाटो ओपी को भी भेजी गई है। इसकी जानकारी जेएलकेएम के केंद्रीय मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो ने दी।

# आस्था और उल्लास के बीच बड़ा बाजार दुर्गापूजा महासमिति के भव्य पंडाल का उद्घाटन

हजारीबाग ब्यूरो/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। आस्था, भक्ति और उत्साह के अद्भुत संगम के बीच शुक्रवार की शाम हजारीबाग के बड़ा बाजार दुर्गा पूजा महासमिति के भव्य पूजा पंडाल का उद्घाटन किया गया। शाम करीब 6.30 बजे ढोल-नगाड़ों की गूंज और जय माता दी के गगनभेदी जयघोष के बीच आयोजित उद्घाटन समारोह में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। पंडाल का उद्घाटन महासमिति के पदाधिकारी गणेश यादव के द्वारा फीता काटकर किया। इसके बाद माता रानी की प्रतिमा का इष्ट श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिया गया। जैसे ही माता के दर्शन शुरू हुए, पूरा पंडाल जय माता दी के जयघोष से गूंज उठा।



श्रद्धालु माता रानी के प्रथम दर्शन कर

भाव-विभोर हो गए और पूरा वातावरण

भक्तिमय हो गया। उद्घाटन समारोह में

महासमिति के पदाधिकारी एवं सदस्य ढोल-नगाड़ों के साथ बड़ा बाजार चौक से पंडाल परिसर तक पहुंचे। परंपरिक रीति-रिवाजों के बीच कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान अतिथियों का अंगवस्त्र एवं पुष्पमाला पहनकर स्वागत किया गया। माता रानी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पंडाल पहुंचे, जिससे परिसर में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। बच्चों, महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने पूरे श्रद्धाभाव से माता रानी के दर्शन किए तथा सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर महासमिति के सचिव दीप नारायण निपाद

ने कहा कि बड़ा बाजार दुर्गा पूजा महासमिति अपनी भव्य सजावट और आकर्षक पूजा पंडाल के साथ-साथ अनुशासन, भक्ति और सामाजिक एकता की परंपरा के लिए भी जानी जाती है। महासमिति का प्रयास है कि यहाँ आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को माता रानी के दर्शन का सुख मिले और सभी लोग आपसी प्रेम, सद्भाव एवं उत्साह के साथ दुर्गात्सव मनाएं। उन्होंने कहा कि यह पर्व समाज में एकता, सहयोग और सकारात्मकता का संदेश देता है। पूरे समारोह के दौरान पंडाल परिसर में भक्ति और उल्लास का वातावरण बना रहा। माता रानी के

जयकारों से गुंजायमान बड़ा बाजार क्षेत्र में श्रद्धालुओं की आस्था देखते ही बन रही थी। पंडाल में उमड़ी भीड़ ने दुर्गाोत्सव की रौनक को और बढ़ा दिया। माता रानी के दर्शन के साथ ही श्रद्धालुओं ने परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। मौके पर महासमिति के अध्यक्ष प्रमोद यादव, सचिव दीप नारायण निपाद, बाल गोविंद निपाद, दिलीप जायसवाल, नरेश निपाद, पवन खंडेलवाल, प्रमोद खंडेलवाल, ओम प्रकाश गुप्ता,लखन निपाद,रितेश खण्डेलवाल, आशुतोष चौधरी,पंकज कश्यप,अनिल मझुशिया सहित कई लोग उपस्थित रहे।

# रंगे हाथ रिश्वत लेते एएसआई धराया

जमीन विवाद में मांगी थी 50 हजार रुपये की रिश्वत

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता बेगुसराय।** शुक्रवार को जिले में निगरानी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ब्रह्मपुर थाने के एएसआई नीरज कुमार को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। पटना से पहुंची निगरानी विभाग की टीम ने जमीन विवाद से जुड़े एक मामले में यह कार्रवाई की। आरोप है कि एएसआई विपक्षी पक्ष को बचाने के नाम पर रिश्वत की मांग कर रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार, जमीन विवाद के एक मामले में एएसआई नीरज कुमार पर विपक्षी पक्ष को बचाने के एवज में 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप लगा था। इसकी शिकायत मिलने के बाद निगरानी विभाग की टीम ने मामले की जांच करते हुए कार्रवाई की योजना

## महकमे में हड़कंप

बनाई। इसके बाद शुक्रवार को पटना से पहुंची टीम ने निर्धारित कार्रवाई के दौरान एएसआई को कथित तौर पर 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। शिकायत मिलने के बाद निगरानी विभाग की टीम ने मामले में कार्रवाई की तैयारी की। इसके बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर एएसआई को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, शिकायतकर्ता की पहचान और रिश्वत मांगने से जुड़ी परिस्थितियों के बारे में विभाग की ओर से तत्काल विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। एएसआई की गिरफ्तारी की खबर



फैलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। जमीन विवाद के मामले में रिश्वत लेने के आरोप में हुई इस कार्रवाई से पुलिस विभाग में चर्चा तेज हो गई। निगरानी विभाग की इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के आरोपों के खिलाफ की गई कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, मामले में आरोपों से जुड़े अंतिम निष्कर्ष जांच और कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही सामने आएंगे।

# गुस्साये लोगों ने सड़क जाम कर काटा बवाल

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता मुजफ्फरपुर।** जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र में अहियापुर चौक के पास स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय शाहबाजपुर में हाईटेशन तार के करंट से छात्राओं के झूलसने के मामले में लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। घायल बच्चियों के समुचित इलाज और मुआजजे की मांग को लेकर परिजनों और सैकड़ों ग्रामीणों ने सड़क पर उत्तरकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने विद्यालय के सामने अहियापुर मुख्य सड़क को जाम कर दिया, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गई और आवागमन बाधित हो गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन की टीम ने लोगों से बातचीत कर स्थिति संभाली।

दरअसल, 9 अक्तूबर को सुबह करीब 10 बजे स्कूल में भोजनावकाश के दौरान छात्राएं खाना खाने के लिए छत पर गई थीं। इस दौरान छत के बेहद करीब से

गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेशन लाइन के कारण दीवार में करंट फैल गया। दीवार छूते ही तीन छात्राएं करंट की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गईं। इसके बाद उन्हें आनन-फानन में श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों का इलाज जारी है, जबकि एक छात्रा की हालत अब भी नाजुक बताई जा रही है। प्रदर्शन कर रहे छात्राओं के परिजनों और ग्रामीणों ने स्कूल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि हादसे के बाद बच्चियों के हाथ-पैर झुलस गए थे, लेकिन स्कूल का गेट तुरंत नहीं खोला गया। उनका यह भी आरोप है कि परिसर में वाहन मौजूद होने के बावजूद घायल छात्राओं को अस्पताल पहुंचाने के लिए उसका इस्तेमाल नहीं किया गया। इसके बाद ग्रामीणों ने अंटो से घायल बच्चियों को अस्पताल पहुंचाया।

# एम्बुलेंस कर्मचारी संघ की हड़ताल 21 से

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता रांची।** झारखंड में 108 एम्बुलेंस सेवा से जुड़े कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों और श्रमिक अधिकारों को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है। झारखंड प्रदेश एम्बुलेंस कर्मचारी संघ के आह्वान पर शुक्रवार, 16 अक्तूबर को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय के सामने शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। संघ ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार और संबंधित विभाग ने कर्मचारियों की मांगों पर जल्द ठोस कदम नहीं उठाए, तो 21 अक्तूबर से राज्यव्यापी अनिश्चित कालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। संघ के प्रदेश महामंत्री सह रांची जिला अध्यक्ष सूरज साहू ने बताया कि कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी से बैठक का समय मांगा गया था, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई बैठक नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से पहले लिए गए फैसलों को लागू कराने और कर्मचारियों की लंबित मांगों का समाधान कराने के



लिए संघ लगातार प्रयास कर रहा है। संघ का कहना है कि वह हमेशा बातचीत के जरिए समस्याओं का समाधान निकालने के पक्ष में रहा है। सूरज साहू के मुताबिक, 16 सितंबर को स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए 15 से 20 दिनों

का समय दिया गया था। हालांकि, तय समय बीत जाने के बाद भी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ रही है और अब आंदोलन को आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया है। संघ ने आरोप लगाया कि कर्मचारियों की समस्याओं को दूर करने के बजाय एम्बुलेंस सेवा के

संचालन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने का निर्देश दिया जा रहा है। संघ ने इसे कर्मचारियों की मांगों की अनदेखी बताया है। कर्मचारियों का कहना है कि उनकी समस्याओं का समाधान करने और श्रमिक अधिकार सुनिश्चित करने के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए।

# मोमबत्ती फैक्टरी में आग से अफरातफरी

गैस लीकेज से  
हुई घटना

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता मुजफ्फरपुर।** जिले में शुक्रवार को मोमबत्ती बनाने वाली एक फैक्ट्री में गैस लीकेज के कारण भीषण आग लग गई। घटना मिठनपुरा थाना क्षेत्र के मालीघाट स्थित दीपक इंडस्ट्रीज की है। आग लगने के बाद फैक्ट्री में अफरातफरी मच गई। आग बुझाने की कोशिश के दौरान फैक्ट्री संचालक दीपक कुमार आंशिक रूप से झुलस गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें बाहर निकाला गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची अग्निशमन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। अधिकारियों के अनुसार, घटना में कोई अन्य व्यक्ति हताहत नहीं हुआ है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, दीपक इंडस्ट्रीज की मोमबत्ती फैक्ट्री में मोम पिघालने के लिए घरेलू गैस सिलेंडर का इस्तेमाल किया जा रहा था। इसी दौरान अचानक गैस में लीकेज होने



से आग लग गई। आग लगते ही फैक्ट्री से तेजी से धुआं निकलने लगा, जिससे आसपास के इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। आग की सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और आग बुझाने की कोशिश की गई। इसी दौरान फैक्ट्री संचालक दीपक कुमार आंशिक रूप से झुलस गए। ग्रामीणों की मदद से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला गया। आग लगने की सूचना मिलने के करीब आधे घंटे बाद दमकल की टीम मौके पर पहुंची। आग की

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता मनहारी /कटिहार।** नेशनल पब्लिक स्कूल की ओर से विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों को भारतीय त्योहारों व संस्कृति से जोड़ने, विभिन्न राज्यों की लोक कलाओं से परिचित कराने और शैक्षणिक व्यस्तता के बीच आनन्दानुभूति और मन को तरोताजा करने के उद्देश्य से शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर 'डांडिया उत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। उत्सव का शुभारम्भ स्कूल के मैनेजिंग ट्रस्टी रामेश्वर पाण्डेय तथा ट्रस्टी डॉ॰ ओम प्रकाश पाण्डेय ने संयुक्त रूप से जगत जननी भगवती दुर्गा के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पार्पण कर किया। कार्यक्रम का संचालन उप प्राचार्य जय नारायण राय ने और संयोजन संयोजन शिक्षक मनीष कुमार ने किया। इस अवसर पर मैनेजिंग ट्रस्टी रामेश्वर पाण्डेय ने कहा कि नवरात्र दानवत्व पर मानवत्व, दुर्वृत्ति पर सद्गुति तथा दुष्प्रचार पर सदाचार के विजय का प्रतीक होने

# विद्यालय परिसर में डांडिया उत्सव का आयोजन

के साथ-साथ स्त्री शक्ति को सम्मान देने का उत्सव, आत्म-साक्षात्कार की यात्रा, ऋतु परिवर्तन का संकेत और सांस्कृतिक एकता का पर्व है। इस अवसर पर ट्रस्टी डॉ॰ ओम प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि हमारे त्योहार मानव जीवन को सरस और श्रेष्ठ बनाने की प्रेरणा देते हैं। ऋतु चक्र के परिवर्तन के



समय ये नवरात्र जहां एकओर शारीरिक रूप से हमें परिवर्तन के अनुकूल बनाता है वहीं दुसरी ओर हमें दुराचार के प्रतिकार की प्रेरणा देता है। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे छात्र-छात्राओं ने हाथों में डांडिया स्टिक्स लेकर पारंपरिक गुजराती और बॉलीवुड डांडिया गीतों सनन सनन मिक्स

समय ये नवरात्र जहां एकओर शारीरिक रूप से हमें परिवर्तन के अनुकूल बनाता है वहीं दुसरी ओर हमें दुराचार के प्रतिकार की प्रेरणा देता है। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे छात्र-छात्राओं ने हाथों में डांडिया स्टिक्स लेकर पारंपरिक गुजराती और बॉलीवुड डांडिया गीतों सनन सनन मिक्स

सांग, झूम रे गोरी गरबे में, मेरी माँ के बराबर कोई नहीं, आई गिरी नंदिनी तथा घूमर रे घुमार रे पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर आन्या प्रकाश, प्रणिका प्रकाश, शालिनी कुमारी, मिस्टी कुमारी, कृति कुमारी, मिठी कुमारी, सिद्धि कुमारी, माही कुमारी की प्रस्तुति को सराहा गया।

# दुर्गा पूजा में प्रशासन रहेगी चौकस

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता खूंटी।** दुर्गा पूजा के दौरान शांति, सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था संधारण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन, खूंटी में उपस्थित सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को विशेष ब्रीफिंग दी गई। ब्रीफिंग के दौरान पुलिस अधीक्षक ऋषभ गंग ने सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को पूरी सतर्कता, मुस्तैदी, अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान पूजा पंडालों एवं सार्वजनिक स्थलों पर श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों की काफी भीड़ रहती है। ऐसे में उनकी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भीड़ प्रबंधन, महिला सुरक्षा एवं असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जाए।

सभी पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित हो। महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देते हुए छेड़खानी, अप्रभ व्यवहार एवं अन्य अवांछनीय गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। चोरी एवं अन्य संपत्ति संबंधी अपराधों की आशंका को देखते हुए रात्रि गश्ती को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। विशेषकर आभूषण प्रतिष्ठानों, बैंकों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाए। पूजा पंडालों एवं प्रमुख स्थलों पर स्थापित सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता की नियमित जांच की जाए। साथ ही अग्निशामक यंत्रों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता सुनिश्चित कराई जाए।

## छठे स्वरूप मां कात्यायनी की हुई पूजा

मनसाही/कटिहार। प्रखंड क्षेत्र में भूमधाम के साथ माता दुर्गा के छठे स्वरूप मां कात्यायनी की पूजा भूमधाम के साथ किया गया। इस मौके पर प्रखंड के सार्वजनिक दुर्गा मंदिर मरंगी, फुलहरा, कुरेठा, हफलागंज,मनसाही एवं मोहनपुर में माता दुर्गा के छठे स्वरूप कात्यायनी की पूजा की गई। संंध्या आरती की गई सुबह से लेकर शाम तक मंदिर परिसर में पूजा करने को लेकर काफी भीड़ देखी जा रही है। वहीं सार्वजनिक दुर्गा मंदिर मरंगी मेला कमेटी के पदेन अध्यक्ष सह मरंगी पंचायत के मुखिया सह संघ के अध्यक्ष शंकर कुमार यादव ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी सार्वजनिक दुर्गा मंदिर मरंगी के प्रांगण में अष्टमी एवं नवमी में कुश्ती प्रतियोगिता एवं विजयदासवी एवं एकादशी को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर मेला कमेटी के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव,सचिव नीरज कुमार यादव, कोषाध्यक्ष विष्णु कुमार हिमांशु एवं प्रयोग कुमार यादव,सदस्य विजय कुमार यादव,निशांत कुमार, सुबोले चंद्र यादव आदि उपस्थित रहे।

# कुश्ती प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी हुआ सम्मानित

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता बेलागंज।** रामेश्वर प्लस टू उच्च विद्यालय बेलागंज के छात्र ने राज्य स्तरीय अंतर प्रमंडल विद्यालय कुश्ती खेल प्रतियोगिता के मूर में आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले संटू कुमार ने विद्यालय का नाम रोशन किया।



इस अवसर पर विद्यालय में हर्ष उल्लास के साथ अभिवादन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक मोहम्मद अबरार आलम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप जीवन के हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर अपना और अपने विद्यालय का नाम रोशन करें। पढ़ाई के साथ खेल संगीत का काफी महत्वपूर्ण है आप जहां भी रहे जिस क्षेत्र में कार्य करना चाहे ईमानदारी पूर्वक लगन और मेहनत से कर संटू के तरह कुश्ती के खेल में अच्छा प्रदर्शन कर अपना और अपने विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए विद्यालय परिवार इन्हें बधाई और शुभकामना देती है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक राजेश कुमार राजू चंद्रमणि प्रसाद रवि प्रकाश मालवीय दिलीप कुमार रिजवान उल्ला चंदन कुमार ओमप्रकाश कुमार प्रेम रंजन कुमार तर्पण कुमार रिंकी कुमारी रिंकु कुमारी मधुबाला निशा में निशा कुमार सोनी कुमारी अंतरीना कुमारी सुनील कुमार,प्रदीप कुमार अनेश कुमार इत्यादि ने बधाई दी है।

# मारपीट में भाजपा जिलाध्यक्ष सहित चार जख्मी

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता बेगुसराय।** जिले के बखरी में मारपीट की एक घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। इस घटना में भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा, उनके छोटे भाई संजीव वर्मा और लोपाजा नेता अनिल वर्मा समेत चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए बखरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी) में भर्ती कराया गया है। घटना में एक शिक्षक पर शराब के नशे में मारपीट करने का आरोप लगाया गया है।

और लोपाजा नेता अनिल वर्मा समेत चार लोग घायल हो गए। घटना के बाद सभी घायलों को उपचार के लिए बखरी पीएचसी पहुंचाया गया। राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों के घायल होने के कारण यह मामला इलाके में चर्चा का विषय बन गया है।

जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा, उनके छोटे भाई संजीव वर्मा

और लोपाजा नेता अनिल वर्मा समेत चार लोग घायल हो गए। घटना के बाद सभी घायलों को उपचार के लिए बखरी पीएचसी पहुंचाया गया। राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों के घायल होने के कारण यह मामला इलाके में चर्चा का विषय बन गया है।



मारपीट में 16 को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्तियों में छपरा जिले के कैरा थाना के माया टोला, वार्ड नंबर 03 निवासी जितेंद्र कुमार, तुजारपुर, वार्ड नंबर 04 निवासी इमाम अंसारी, मुईली, एकमा, वार्ड नंबर 02 निवासी सुधांशु कुमार, सिवान जिला के तरवारा थाना के

बेरारी, वार्ड नंबर 08 निवासी विवेक कुमार, जामा बाजार थाना के पलटू हाता, वार्ड नंबर 05 निवासी विकास कुमार, राधोपुर थाना के चंपानगर, वार्ड नंबर 01 निवासी सोनू कुमार तथा किसनपुर थाना के मौजहा निवासी राजेश मेहता शामिल हैं। इसके अलावा महिलाएं भी हैं।

उन्होंने बताया कि इस बाबत महिला थाना में कांड दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। मुक्त कराई गई नाबालिग लड़कियों का सत्यापन कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नाबालिग लड़कियों के शोषण के विरुद्ध सुरक्षा उपबन्धन कराने के दृष्टिगत इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

# मोटोरोला ने बिग बिलियन मोटो डीलस का किया ऐलान

रांची। भारत का प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला, फ्लिपकार्ट की बिग बिलियन डेज सेल 2026 के दौरान अपने हैशटैग बिग बिलियन मोटो रश ऑफर के तहत बेहतरीन और स्टाइलिश स्मार्टफोन्स पर जबर्दस्त फेस्टिव डिस्काउंट लेकर आया है। मोटोरोला ऐज 70 प्यूजन के साथ 30 हजार रुपये के अंदर फ्लैगशिप फीचर्स से लेकर मोटोरोला ऐज 70 प्रो के साथ 40 हजार रुपये के अंदर असली फ्लैगशिप किलर तक, मोटोरोला ऐज 70 प्रो प्लस के साथ 45 हजार रुपये के अंदर चार 50एमपी कैमरों का जबर्दस्त अनुभव, मोटो रोला सिग्नेचर के साथ 60 हजार रुपये के अंदर सिग्नेचर-क्लास कैमरा, और मोटो जी 37 पावर के साथ 20 हजार रुपये के अंदर 3 दिन की बैटरी लाइफ वाला फोन - मोटोरालाव्हीयर के सीजन को बेहतरीन कीमतों और

बड़े अपग्रेड के नाम करने के लिए पूरी तरह तैयार है। फ्लिपकार्ट पर यह सेल 27 सितंबर से शुरू हो चुकी है, जिससे ग्राहकों को अपना पसंदीदा मोटोरोला स्मार्टफोन खरीदने का शानदार मौका मिला है।

**पूर्व रेलवे**

**ई-निविदा संख्या 239 2026-27, दिनांक 14.10.2026, बरिष्ठ मंडल अभियंता/सी, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/ एसईवी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवों एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: बरिष्ठ इंजीनियर/सुध्यालय/क्षेत्र के अधीन। कार्य का विवरण: ईएमयू कार शोड, हावड़ा: सेक्शन बिल्डिंग एवं कार शोड, स्टोर, फेस-1, अनुमानित मूल्य: रु. 2,97,31,118.44, बयाना राशि: रु. 5,94,600/-, निविदा प्रश्न का मूल्य: रु.0.00, समापन अवधि: स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अन्वकाश/बंद/हटवाला घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआईटीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। निविदा की अंतिम तिथि और समय: दिनांक 09.11.2026, निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमयू और टीडीसी का पुष्पासन-ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमयू) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। टिप्पणी: आईआईटीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमयू के रूप में कोई फिक्स्ड डिपॉजिट रिडीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं होगा। HW-408/2026-27 निविदा सूचना वेबसाइट [www.er.indianrailways.gov.in](http://www.er.indianrailways.gov.in) पर भी उपलब्ध है।**

**हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter**

**पूर्व मध्य रेल**

**निविदा सूचना**

**ई-निविदा सूचना संख्या: 29-MCW-Welder Helper-26-27, धनबाद, दिनांक: 16.10.2026**

वरीय मण्डल यांत्रिक अभियंता (समन्वय), पूर्व मध्य रेल बलबाद के द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पन्न के लिए ई-खुली निविदा (e-open tender) Two Packet System में IREPS Portal में आमंत्रित की जाती है। कार्य का नाम: PEH, PTRU, BRWD एवं OBRA में सभी प्रकार के गैस कटिंग एवं वेल्डिंग कार्य के लिए वेल्डर एवं हेल्पर की आउटसोर्सिंग, 03 (तीन) वर्षों की अवधि के लिए। संविदा की अवधि: 03 वर्ष (36 माह)। कार्य - स्थान: पाथरडीह (PEH), पलारतु (PTRU), बरवाडीह (BRWD), बीर जी बरा (OBRA), अनुमानित बोली मूल्य:रु.18,15,92,242.56 (रुपये अठारह करोड़ पन्द्रह लाख बानवे हजार दो सौ बयालीस और पैसे छपन मात्र)। निविदा दस्तावेज मूल्य: रु.10,000/- (रुपये दस हजार मात्र), बयाना राशि (निविदा सूचना के तदनुसार): 10,58,000/- (रुपये दस लाख अठान्न हजार मात्र), ई-निविदा जमा करने का तारीख तथा समय: तारीख 23.10.2026 से 06.11.2026 को 11:00 बजे तक। ई-निविदा खुलने का तारीख तथा समय: 06.11.2026 को 11:30 बजे। वेब साइट विवरण: <http://www.ireps.gov.in> (ई-निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी)। वरीय मण्डल यांत्रिक अभियंता (समन्वय)/पुमरे/धनबाद पीआर/1147/डीएचएन/या./टी/26-27/36

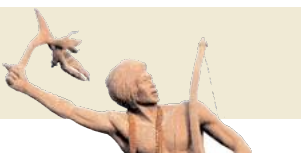
**पूर्व रेलवे**

**ई-नीलामी सूचना**

**वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह (नीलामी संचालन अधिकारी), दूसरी मंडिल, केंद्रीय बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, काइबर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा सियालदह मंडल के बाकुरीया और नगी रेलवे स्टेशनों पर "मेडिसिन स्टोर की स्थापना, संचालन और रखरखाव" के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है जिसके लिए ई-नीलामी कैटलॉग [www.ireps.gov.in](http://www.ireps.gov.in) पर प्रकाशित किया गया है। अंतिम कैटलॉग से: मेडिस्टोर-ओसीटी-01, नीलामी शुरू: 29.10.2026 को 12.00 बजे। क्रम सं., लॉट सं. और स्टेशन निम्नानुसार (1) एए/1, एएमएसएस-एसडीएच-डीएचके-एमईडीएसटीएन-159-26-1 और बाकुरीया। (2) एए/2, एएमएसएस-एसडीएच-एमएआई-एमईडीएसटीएन-158-26-1 और नगी। प्रत्याभूति कोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे अधिक जानकारी के लिए आईआईटीएस ई-ऑक्शन मांड्रिल देखें।**

**SDAH-268/2026-27 निविदा सूचना वेबसाइट [www.er.indianrailways.gov.in](http://www.er.indianrailways.gov.in) पर भी उपलब्ध है। हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter**





# संपादकीय

इस घटना की प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस का कहना है कि आरोपी महिला का ममता बनर्जी पर हमला करने का इरादा नहीं था, बल्कि वह उनसे मिलना चाहती थी। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कोलकाता में उनके आवास के पास एक महिला द्वारा हमले की कोशिश करने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल

खड़े कर दिए हैं। अगर किसी राजनीतिक दल के प्रमुख नेता पर ही सरेआम हमले का प्रयास किया जाता है, तो आम आदमी खुद को सुरक्षित कैसे महसूस कर पाएगा! पार्टी के ममता समर्थक धड़े का आरोप है कि संबंधित महिला के हाथ में चाकू था।हालाँकि इसकी सच्चाई गहन जांच के बाद ही सामने आएगी, लेकिन सवाल है कि आरोपी महिला ममता के

# ममता बनर्जी की सुरक्षा में सेंध की कोशिश, उठे सवाल

सुरक्षा घरे के इतने करीब कैसे पहुंच गई? इस बात की जांच-पड़ताल भी जरूरी है कि सुरक्षा व्यवस्था में कहाँ चूक हुई और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए भविष्य में क्या कदम उठाए जा सकते हैं। राज्य में पिछले लंबे समय से राजनीतिक हिंसा की खबरें भी आती रही हैं, लिहाजा पुलिस को हर पहलु से इस घटना की छानबीन करनी चाहिए, ताकि सच सबके

सामने आ सके।खबरों के मुताबिक, ममता बनर्जी पर बीते मंगलवार को उस वक्त हमले की कोशिश की गई, जब वह दुर्गा पूजा का उद्घाटन करने जा रही थीं। हालाँकि, सुरक्षा कर्मियों और वहां मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं ने आरोपी महिला को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं, इस घटना की प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस का कहना है कि आरोपी

महिला का ममता बनर्जी पर हमला करने का इरादा नहीं था, बल्कि वह उनसे मिलना चाहती थी। मगर यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि क्या किसी प्रमुख नेता की सुरक्षा से जुड़े मामले को महज राजनीतिक आरोप मानकर उसकी गंभीरता को नजरअंदाज किया जा सकता है? कायदे से इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और अगर सुरक्षा में चूक का कोई

मामला बनता है, तो उसमें भी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा को लेकर उठ रहे सवालों के बीच इस घटना की संवेदनशीलता को समझना जरूरी है। लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद होना सामान्य बात है, लेकिन जब असहमति हिंसा की दहलीज तक पहुंच जाए, तो खतरा किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता।

**इस वर्ष बारिश में गिरावट की वजह से भावी संकट को लेकर बढ़ती फि्क़ स्वाभाविक है। मगर फिलहाल चिंता का कारण केवल बारिश नहीं, बल्कि जमीन पर उपलब्ध पानी को संभालने की हमारी घटती क्षमता है। देश के प्रमुख जलाशयों का जलस्तर तेजी से नीचे जाना और दूसरी ओर उन्हीं जलाशयों की भंडारण क्षमता का गाद के कारण लगातार कम होते जाना आने वाले समय के लिए गंभीर संकेत है। सवाल यह नहीं है कि मानसून इस बार कितना अच्छा रहा, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि मानसून से मिलने वाले पानी को हम कितना बचा पाए। गौरतलब है कि केन्द्रीय जल आयोग 166 प्रमुख जलाशयों के जलस्तर की नियमित निगरानी करता है। इन जलाशयों की कुल क्षमता 183.565 अरब घन मीटर है। मध्य-मई की स्थिति के अनुसार इनमें करीब 63 बीसीएम पानी ही बचा था। यानी लगभग 34.45 फीसद। इससे स्पष्ट है कि गमी के चरम दौर में देश के प्रमुख जलाशयों का लगभग दो-तिहाई भंडारण मिलता है चुका था। कई राज्यों में स्थिति इससे भी अधिक चिंताजनक रही और अनेक बांधों में पानी काफी कम हो गया।**

(बलकार सिंह पुनियां ) देश में 6,628 बड़े बांध हैं। इनमें से 1,681 बांध 50 वर्ष से अधिक पुराने हैं और 291 बांध सौ वर्ष से भी अधिक पुराने हैं। यानी देश के लगभग 26 फीसद बांध आधी सदी से अधिक पुराने हैं।

इस वर्ष बारिश में गिरावट की वजह से भावी संकट को लेकर बढ़ती फि्क़ स्वाभाविक है। मगर फिलहाल चिंता का कारण केवल बारिश नहीं, बल्कि जमीन पर उपलब्ध पानी को संभालने की हमारी घटती क्षमता है। देश के प्रमुख जलाशयों का जलस्तर तेजी से नीचे जाना और दूसरी ओर उन्हीं जलाशयों की भंडारण क्षमता का गाद के कारण लगातार कम होते जाना आने वाले समय के लिए गंभीर संकेत है। सवाल यह नहीं है कि मानसून इस बार कितना अच्छा रहा, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि मानसून से मिलने वाले पानी को हम कितना बचा पाए।

गौरतलब है कि केन्द्रीय जल आयोग 166 प्रमुख जलाशयों के जलस्तर की नियमित निगरानी करता है। इन जलाशयों की कुल क्षमता 183.565 अरब घन मीटर है। मध्य-मई की स्थिति के अनुसार इनमें करीब 63 बीसीएम पानी ही बचा था। यानी लगभग 34.45 फीसद। इससे स्पष्ट है कि गमी के चरम दौर में देश के प्रमुख जलाशयों का लगभग दो-तिहाई भंडारण मिलता है चुका था। कई राज्यों में स्थिति इससे भी अधिक चिंताजनक रही और अनेक बांधों में पानी काफी कम हो गया।

यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि जलाशय केवल पानी जमा करने की जगह नहीं हैं। उनसे खेतों की सिंचाई होती है, शहरों और गांवों को पेयजल मिलता है तथा बिजली का उत्पादन भी होता है। जलाशयों में पानी कम होने का अर्थ है कि कृषि, पेयजल और ऊर्जा पर एक साथ दबाव बढ़ना। गमी के दिनों में पानी की मांग स्वाभाविक रूप से बढ़ती है। अगर मानसून आने में देरी होती है या वर्षा सामान्य से कम या असमान रहती है, तो यह दबाव और अधिक बढ़ सकता है।

देश की जल समस्या का शायद सबसे गंभीर और अपेक्षाकृत कम चर्चित पहलू जलाशयों में लगातार बढ़ती गाद है। केन्द्रीय जल आयोग द्वारा तैयार भारत में जलाशयों में गाद जमाव संबंधी संकलन-2024 में 548 जलाशयों के आंकड़ों का अध्ययन किया गया, जिनमें से 439 जलाशयों के आंकड़े विश्लेषण के लिए उपयुक्त पाए गए। एक अध्ययन के अनुसार, गाद जमने के कारण इन जलाशयों की सकल भंडारण क्षमता में औसतन 19.24 फीसद की कमी आ चुकी है। वहीं, जलाशयों की भंडारण क्षमता में प्रत्येक वर्ष औसतन 0.74 फीसद की कमी दर्ज की जा रही है।

यह आंकड़ा भविष्य की भयावह तस्वीर समझने के लिए पर्याप्त है। अगर जलाशय में पानी पहुंचाने वाली नदियां और बरसाती धाराएं

यह समस्या पुराने जलाशयों में अधिक गंभीर हो सकती है। नेशनल रजिस्टर ऑफ स्पेसिफाइड डैम्स-2025 के अनुसार देश में 6,628 बड़े बांध हैं। इनमें से 1,681 बांध 50 वर्ष से अधिक पुराने हैं और 291 बांध सौ वर्ष से भी अधिक पुराने हैं। यानी देश के लगभग 26 फीसद बांध आधी सदी से अधिक पुराने हैं। उम्र अपने आप में किसी बांध को असुरक्षित नहीं बनाती, लेकिन समय बीतने के साथ संरचनात्मक रखरखाव, जलाशय की क्षमता, गाद और जलग्रहण क्षेत्रों के कमजोर प्रबंधन को रोकना भी उतना ही आवश्यक है। अगर

गाद की समस्या का समाधान केवल जलाशय से गाद निकालने तक सीमित नहीं हो सकता। दरअसल, गाद का बड़ा स्रोत जलग्रहण क्षेत्र में मिट्टी का कटाव है। इसलिए पहाड़ियों और नदी घाटियों में वनों की कटाई, भूमि क्षरण, अवैज्ञानिक खेती, निर्माण गतिविधियों और जलग्रहण क्षेत्रों के कमजोर प्रबंधन को रोकना भी उतना ही आवश्यक है। अगर

ऊपर की मिट्टी को बहने से नहीं रोका गया, तो नीचे जलाशयों से गाद निकालने का काम लगातार चलता रहेगा और समस्या कभी खत्म नहीं होगी।

कृषि क्षेत्र में भी दुष्क्रोण बदलना होगा। भारत में पानी का सबसे बड़ा उपयोग कृषि में होता है। ऐसे में कम पानी में अधिक उत्पादन की

जरूरत इस बात की है कि इन व्यवस्थाओं का प्रभाव राज्यों और स्थानीय स्तर पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे। प्रत्येक बड़े बांध के लिए नियमित निरीक्षण, समयबद्ध रखरखाव, आपातकालीन कार्ययोजना, जलाशय की वास्तविक भंडारण क्षमता का आकलन तथा गाद प्रबंधन को अनिवार्य रूप से जल प्रबंधन व्यवस्था का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

दरअसल, जल संकट का स्थायी समाधान केवल अच्छे बारिश नहीं है। मानसून अच्छा हो, तो भी यदि हम पानी को रोक नहीं पाए और जलाशयों की क्षमता घटती रही तथा भूजल का अत्यधिक दोहन जारी रहा, तो अगले कुछ वर्षों में समस्या गंभीर रूप से हमारे सामने खड़ी होगी। दूसरी ओर, अगर मानसून कमजोर रहा, तो मौजूदा जल भंडारण की सीमाएं और स्पष्ट हो जाएंगी। इसलिए मानसून का इंतजार अपनी जगह है, लेकिन जल प्रबंधन को मानसून से अलग एक निरंतर राष्ट्रीय अभियान बनाना होगा। जलाशयों की निगरानी केवल जलस्तर मापने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। वास्तविक भंडारण क्षमता, गाद की मात्रा, जलग्रहण क्षेत्र और भविष्य की जल मांग का भी नियमित आकलन होना चाहिए।

इस समस्या पर सबसे बड़ी जरूरत सोच बदलने की है। पानी को असीमित प्राकृतिक संसाधन मानने के बजाय सीमित और मूल्यवान संपदा समझना होगा। जिस पानी को आज हम व्यर्थ बहने देते हैं, वही कल खेत, गांव, शहर और उद्योग के लिए जीवनरेखा बन सकता है।

देश के पास बांधों का विशाल नेटवर्क है। इसकी संग्रहण क्षमता 253.95 अरब घन मीटर है। यह क्षमता हमारी बड़ी ताकत है, लेकिन इसकी उपयोगिता तभी कायम रहेगी, जब हम जलाशयों की उम्र, गाद और घटती क्षमता को गंभीरता से लें। आज जरूरत नए जलाशय गिनने से अधिक मौजूदा जलाशयों की बची हुई क्षमता बचाने की है।

जल सुरक्षा केवल बारिश से नहीं आएगी। इसके लिए जलग्रहण क्षेत्रों का संरक्षण, गाद नियंत्रण, पुराने बांधों का पुनर्वास, वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और पानी के विवेकपूर्ण उपयोग को एक साझा राष्ट्रीय कार्यक्रम बनाना होगा। आखिरकार सवाल यह नहीं है कि आसमान से कितना पानी बरसेगा। सवाल यह है कि धरती पर गिरने वाली हर बूंद में से हम कितनी बूंदें आने वाली पीढ़ियों के लिए सहेज पाएंगे।

# भारत के पास वैज्ञानिक प्रतिभाएं भरपूर, फिर भी क्यों नहीं हो पा रहीं बड़ी खोज?

**वैज्ञानिक प्रतिभाओं की इतनी बड़ी संख्या होने के बावजूद भारत को नोबेल पुरस्कार ना के बराबर क्यों मिलते हैं? लेकिन शायद इससे भी ज्यादा जरूरी सवाल यह है कि दुनिया में बड़े वैज्ञानिक बदलाव लाने वाले देश ऐसा क्या अलग कर रहे हैं? और हमारे वैज्ञानिकों के रास्ते में कौन-सी बाधाएं हैं?इसका जवाब सिर्फ पैसा नहीं है, हालांकि पैसे की अहमियत जरूर है। अमेरिका अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 3.4 फीसदी हिस्सा शोध और विकास पर खर्च करता है। जर्मनी 3 फीसदी से ज्यादा, जापान 3.5 फीसदी से अधिक और दक्षिण कोरिया 5 फीसदी से ज्यादा खर्च करता है। इसके मुकाबले भारत में शोध और विकास पर कुल खर्च जीडीपी का महज 0.64 फीसदी है।**

( कामिनी वालिया ) चीन का उदाहरण अहम है। शोध और विकास पर उसका निवेश बढ़ा है और इसके साथ ही वह दुनिया में सस्ती तकनीक का एक बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है। हर साल अक्टूबर में नोबेल पुरस्कारों की घोषणा होते ही भारत में एक सवाल फिर उठने लगता है। वैज्ञानिक प्रतिभाओं की इतनी बड़ी संख्या होने के बावजूद भारत को नोबेल पुरस्कार ना के बराबर क्यों मिलते हैं? लेकिन शायद इससे भी ज्यादा जरूरी सवाल यह है कि दुनिया में बड़े वैज्ञानिक बदलाव लाने वाले देश ऐसा क्या अलग कर रहे हैं? और हमारे वैज्ञानिकों के रास्ते में कौन-सी बाधाएं हैं?इसका जवाब सिर्फ पैसा नहीं है, हालांकि पैसे की अहमियत जरूर है। अमेरिका अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 3.4 फीसदी हिस्सा शोध और विकास पर खर्च करता है। जर्मनी 3 फीसदी से ज्यादा, जापान 3.5 फीसदी से अधिक और दक्षिण कोरिया 5 फीसदी से ज्यादा खर्च करता है। चीन भी इस मद में जीडीपी का करीब 2.7 फीसदी खर्च करने के करीब पहुंच रहा है। इसके मुकाबले भारत में शोध और विकास पर कुल खर्च जीडीपी का महज 0.64 फीसदी है।

लेकिन इससे भी ज्यादा अहम बात यह है कि शोध के लिए पैसा कौन देता है। भारत में शोध और विकास पर होने वाले कुल खर्च का करीब 40 फीसदी हिस्सा उद्योग जगत से आता है। अमेरिका और चीन में यह हिस्सेदारी करीब तीन-चौथाई है। यानी भारत में शोध का दायरा भी छोटा है और

इसमें किसी क्षेत्र की भागीदारी भी कम है। इसके साथ ही वैज्ञानिकों पर लगातार दबाव बढ़ रहा है कि वे नई तकनीकें विकसित करें, उत्पाद बनाएं, शोध को कारोबार में बदलें और समस्याओं का समाधान निकालें। देश की जरूरतों के लिहाज से ये लक्ष्य जरूरी हैं, लेकिन तकनीक कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे मांग



के मुताबिक तुरंत तैयार कर दिया जाए। हम शोध के आखिरी चरणों पर ज्यादा जोर दे रहे हैं, जबकि शुरुआत में होने वाले बुनियादी शोध में जरूरत के मुताबिक निवेश नहीं कर रहे हैं।

बुनियादी विज्ञान पर ध्यान देने की जरूरत: मिसाल के तौर पर, बीमारी की

जांच करने वाला कोई उपकरण विकसित करने से पहले कई साल तक उस बीमारी की प्रकृति, रोगाणु के व्यवहार, शरीर की प्रतिक्रिया, जैविक संकेतकों और अन्य प्रक्रियाओं पर काम करना पड़ सकता है। तभी जाकर कोई उत्पाद तैयार करना संभव होता है। बुनियादी विज्ञान वह आधार है, जहां से नए विचार और आविष्कार जन्म

लेते हैं। भारत को अपनी शोध व्यवस्था में बदलाव की शुरुआत यहीं से करनी होगी। सबसे पहले, सरकार और शोध से जुड़ी एजेंसियों को बुनियादी विज्ञान के लिए अलग से धन की व्यवस्था करनी चाहिए। प्रतिस्पर्धा के आधार पर मिलने वाली शोध राशि का एक तय हिस्सा ऐसे शोध के लिए

रखा जाना चाहिए, जिनके सवाल वैज्ञानिक खुद चुनें और जिनका मकसद अपनी जिज्ञासा के आधार पर नई खोज करना हो। ऐसे हर शोध से पेटेंट, उत्पाद या तकनीक तैयार करने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

दूसरा, शोध के लिए मिलने वाली राशि को तीन स्पष्ट हिस्सों में बांटना चाहिए—नई खोज, खोज को उपयोगी तकनीक में बदलना और उसका व्यावहारिक इस्तेमाल। इन तीनों के लिए अलग-अलग समय-सीमा और सफलता के मानक तय होने चाहिए। तीसरा, भारत को ऐसे शोध के लिए लंबे समय तक आर्थिक मदद देनी चाहिए। वैज्ञानिक काम की सख्ता समीक्षा जरूर हो, लेकिन प्रशासनिक दखल और छोटी-छोटी बाधां

इसके अलावा, हमें शोध को देखने और वैज्ञानिकों के काम का आकलन करने का तरीका भी बदलना होगा। शोध पत्रों की संख्या, पत्रिकाओं का प्रभाव, पेटेंट और शोध के लिए मिली राशि का कितना इस्तेमाल हुआ, इन सबके आंकड़े जुटाना आसान है। लेकिन इनसे यह पता नहीं चलता कि वैज्ञानिक ने कोई महत्वपूर्ण नई खोज की है या नहीं। वैज्ञानिकों के काम का आकलन करते समय उनकी मौलिकता,

शोध के नतीजों को दोबारा हासिल कर पाने की क्षमता, उनके उठाए सवालों की अहमियत और नए ज्ञान के निर्माण को महत्व देना चाहिए।

इसके साथ ही उपयोगी आंकड़े, शोध मंच और तकनीक विकसित करने के काम तथा विज्ञान या स्वास्थ्य नीति पर शोध के असर को भी मान्यता मिलनी चाहिए। इसके लिए शोध की पूरी प्रक्रिया को सही ढंग से तैयार करना होगा।

**चीन से सबक:** चीन का उदाहरण इस मामले में अहम सबक देता है। शोध और विकास पर उसका निवेश बढ़ा है और इसके साथ ही वह दुनिया में सस्ती तकनीक का एक बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है। 2024 में दुनिया के करीब 80 फीसदी सौर ऊर्जा पैन्ल मॉड्यूल और बैटरी सेल चीन में बने। वहीं, 2025 में दुनिया में बनने वाली इलेक्ट्रिक कारों में चीन की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी तक पहुंच गई। इससे यह सबक मिलता है कि नई खोजों को इंजीनियरिंग, विनिर्माण और बाजार से जोड़ना कितना जरूरी है। भारत के पास एक बड़ी प्राकृतिक ताकत है। यहां की विशाल और विविध आबादी वैज्ञानिक शोध के लिए व्यापक अवसर देती है। इसलिए हमें ऐसी व्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए, जो युवा वैज्ञानिकों को किसी नए और लौक से हटकर सवाल पर 10 या 15 साल तक काम करने का मौका दे। वे असफल हों, अपनी दिशा बदलें और फिर से कोशिश करें, लेकिन तुरंत कोई उत्पाद तैयार न कर पाने के लिए उन्हें नुकसान न उठाना पड़े।

# अपराध गोष्ठी में पूजा पर सतर्कता बरतने का निर्देश



**नवबिहार टाइम्स संवाददाता पाकुड़।** पाकुड़ के पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में सितंबर माह की मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस निरीक्षक, सभी थाना एवं ओपी प्रभारी तथा विभिन्न शाखाओं के प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के निष्पादन और आगामी दुर्गा पूजा एवं दशहरा की तैयारियों की समीक्षा की गई। एसपी ने सभी थाना एवं ओपी प्रभारियों को दुर्गा पूजा, दशहरा और मूर्ति विसर्जन के दौरान विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने तथा सभी संवेदनशील स्थलों पर

लगातार नजर बनाए रखने को कहा गया, ताकि पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके। उन्होंने बताया गया कि सितंबर माह में जिले में कुल 94 कांड दर्ज हुए, जबकि 98 कांडों का निष्पादन किया गया। पॉक्सो अधिनियम से जुड़े मामलों का निर्धारित समयसीमा में निष्पादन करने तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और एनडीपीएस अधिनियम के

मामलों में तेजी लाने को कहा गया। बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए जिला परिवहन पदाधिकारी के समन्वय से नियमित वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। एसपी ने चोरी, लूट, डकैती और गृहभेदन जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए नियमित गश्ती और सघन जांच अभियान चलाने को कहा। पिछले पांच वर्षों में संपत्ति

संबंधी अपराधों में सक्रिय रहे तथा दोषसिद्ध अपराधियों के विरुद्ध सीसीए, निगरानी पंजी और गुंडा पंजी में नाम दर्ज करने के लिए प्रस्ताव भेजने का निर्देश भी दिया गया। थाना पहुंचने वाले शिकायतकर्ताओं और महिलाओं के साथ शालीन व्यवहार करने तथा उनकी समस्याओं को सुनकर नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके अलावा सड़क सुरक्षा, डायल-112, साइबर अपराध, मानव तस्करी, नशामुक्ति, महिला उत्पीड़न, डायन प्रथा, बाल विवाह और अन्य सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ प्रत्येक माह स्कूलों, कॉलेजों, हाट-बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता अभियान चलाने को कहा गया। महिला थाना प्रभारी को स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया गया।

## देवघर में खुला रिलायंस डिजिटल स्टोर

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता देवघर।** भारत का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक रिटेलर रिलायंस डिजिटल ने देवघर के वीआईपी चौक स्थित कर्मशियल कॉम्प्लेक्स में अपने नए स्टोर का अनावरण किया। इस स्टोर का उद्घाटन मुख्य अतिथि देवघर विधायक सुरेश पासवान, विशिष्ट अतिथि प्रख्यात चिकित्सक डॉ. एन डी मिश्रा, देवघर चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रवि केशरी, वैधान्य धाम देवघर के पंडा धर्मरक्षिणी सभा के अध्यक्ष सुरेश भारद्वाज, उपाध्यक्ष संजय मिश्रा, रिलायंस डिजिटल के लैंडलॉर्ड संजीव देव, चिरंजीवी देव एवं देवघर स्टोर मैनेजर संजय पाठक के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने रिलायंस डिजिटल के सभी कर्मचारियों को अपनी शुभकामनाएं दी और कहा कि यह स्टोर इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों की खरीदारी के लिए उचित स्थान साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस त्योहार ग्राहक नए इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ नई शुरुआत कर सकेगें। देवघर स्टोर मैनेजर संजय पाठक ने बताया कि

विशेष उद्घाटन ऑफर और नवीनतम तकनीक की व्यापक रेंज के साथ ग्राहक यहां एक बेहतर खरीदारी अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। व्यापक क्षेत्र में फैला हुआ यह तकनीक गंतव्य सर्वोत्तम कीमतों पर नवीनतम इलेक्ट्रॉनिक्स की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, साथ ही इन-स्टोर सहायता के लिए एक विशेषज्ञ टेक स्क्वाड और इलेक्ट्रॉनिक्स की खरीद के बाद की देखभाल के लिए समर्पित रेस्क्यू सेवा विशेषज्ञ भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि सबसे तेज डिलीवरी और इंस्टॉलेशन के साथ, ग्राहक बिना किसी देरी के अपनी पसंदीदा उत्पाद यहाँ से प्राप्त कर सकते हैं। उपभोक्ताओं को नए स्टोर पर रोमांचक अल्टी बर्द ऑफर के साथ अग्रणी बैक कार्ड पर 30,000 तक का इंस्टेंट डिस्काउंट का भी लाभ मिलेगा। दूसरे उत्पाद खरीदने पर फ्लैट 50 प्रतिशत का ऑफ मिलेगा। साथ ही 20,000 रुपये तक का एक्सचेंज बोनस सहित कई आकर्षक ऑफर ग्राहकों को मिलेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स

उत्पादों के विशाल रेंज के साथ ही आसान रिटर्न, ईजी ईएमआई, एक्सचेंज, प्री डिलीवरी और सबसे जल्दी इंस्टॉलेशन की सुविधा भी मिलेगी। रिलायंस डिजिटल 500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय ब्रांडों के 2,000 से अधिक उत्पाद पेश करता है। इसमें नवीनतम स्मार्टफोन, स्मार्ट टीवी, वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर, होम थिएटर, डिजिटल कैमरा, लैपटॉप, सहायक उपकरण और अन्य छोटे इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम सहित उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू उपकरणों की एक पूरी श्रृंखला शामिल है। रिलायंस डिजिटल का लक्ष्य ग्राहकों को किफायती कीमतों पर तकनीकी विकल्पों की दुनिया उपलब्ध कराना है। आसान ईएमआई सहित कई वित्त विकल्पों के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स पर अद्वितीय खरीदारी की पेशकश करके रिलायंस डिजिटल का लक्ष्य प्रत्येक ग्राहक को उनकी जीवनशैली के अनुरूप सभी तकनीक दृढ़ने में मदद करना है। मौके पर रिलायंस डिजिटल से जुड़े सभी कर्मचारियों मौजूद रहे।

## फुटबॉल और भैंस लड़ाई प्रतियोगिता का आयोजन

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता पाकुड़।** पाकुड़ जिले के पाकुड़िया प्रखंड अंतर्गत तिलबेरिया गांव में गुरुवार शाम दो दिवसीय फुटबॉल एवं भैंस लड़ाई प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में खेल प्रेमियों और ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। पूरे आयोजन के दौरान लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। फुटबॉल प्रतियोगिता में कुल 16 टीमें ने भाग लिया। रोमांचक मुकाबलों के बाद मकड़ापहाड़ी की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। विजेता टीम को 30 हजार रुपये देकर सम्मानित किया गया। वहीं, सलगापाड़ा की टीम दूसरे स्थान पर रही, जिसे 20 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। प्रथम स्तर की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त कर पांच हजार रुपये का पुरस्कार जीता इसके अलावा भैंस

**मकड़ापहाड़ी की टीम बनी विजेता**

लड़ाई प्रतियोगिता भी आकर्षण का केंद्र रही। इसमें बथानपहाड़ी की टीम ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए तीन हजार रुपये का पुरस्कार प्राप्त किया। प्रतियोगिता में शामिल अन्य भैंसों को भी उनके प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद अध्यक्ष जुली ख्रिष्टमणी हेन्म्ब उपस्थित रहें। आयोजन के दौरान ग्रामीणों और खेल प्रेमियों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। इस तरह के आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्रों में खेलकूद को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय परंपराओं और सामुदायिक सहभागिता को भी प्रोत्साहन मिलता है।

## महिला मंडल की ओर से प्रतियोगिता आयोजित

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता कटिहार।** मुनिश्री प्रशांत कुमार एवं मुनिश्री कुमुद कुमार के सान्निध्य में अखिल भारतीय तैरापथ महिला मंडल की ओर से निर्देशित प्रतियोगिता कटिहार महिला मंडल द्वारा महिला मंडल एवं युवती मंडल के लिए आयोजित हुई। जनसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री कुमुद कुमारजी ने कहा- महिला सुजन, कल्पना में माहिर होती है। बीज में वटवृक्ष बनने की क्षमता होती है वैसे ही नारी में निर्माण की शक्ति होती है। अपने आप पर भरोसा,समय नियोजन एवं कल्पना को साकार करने में पुरुषार्थ करें तो महिला कहाँ से कहाँ तक पहुँच सकती है। परिवार एवं समाज का सुजन करें। समता, ममता एवं क्षमता की अनमोल थाली महिला समाज को प्रकृति का वरदान है। विपरीत परिस्थितियों में भी कितनी ही नारियों ने आत्म संतुलन रखते



हुए देश एवं समाज को नव संदेश दिया है।अपनी कर्मजा शक्ति का उपयोग सम्यकदिशा में कर औरों के लिए प्रेरक बनी है।विभिन्न क्षेत्रों में नारी ने अपना परचम लहराया है।इसी दिशा निर्देश के अभाव में बहुत बार समस्या भी पैदा हो जाती है। संस्कारों से भावित, आत्मविकास से परिपूर्ण बन सत प्रयास करते जाएं। धार्मिक एवं सामाजिक जगत में नींव का पथर बनें।वर्तमान परिवेश में शिक्षा के

डीसी-एसपी ने किया पूजा पंडालों का निरीक्षण

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता बोकारो।** दुर्गा पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और विधि-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन सतर्क है। शुक्रवार शाम उपायुक्त अजय नाथ झा और पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने बोकारो स्टील सिटी के विभिन्न पूजा पंडालों और मेला परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान अग्नि सुरक्षा, विद्युत व्यवस्था, पंडालों की संरचनात्मक सुरक्षा और विधि-व्यवस्था का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पूजा समितियों की निर्धारित सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पूजा समितियां आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम करें और किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरतें। वहीं, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने कहा कि पूजा और मेला परिसर में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रबंध किए जा रहे हैं।

## कटिहार रेल मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर रेल जन संवाद कार्यक्रम आयोजित

यात्रियों की समस्याओं और सुझावों पर रेलवे का विशेष फोकस

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**कटिहार।** रेल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के कटिहार मंडल ने गुरुवार को कटिहार सहित विभिन्न प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर रेल जन संवाद बैठक का आयोजन किया। इस पहल के माध्यम से रेलवे ने यात्रियों एवं आम जनता से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी शिकायतों,सुझावों और अपेक्षाओं को सुना। बैठक में यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने, स्टेशन परिसर में स्वच्छता बनाए रखने, यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा रेल सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाने पर जोर दिया गया। यात्रियों से प्राप्त महत्वपूर्ण सुझावों पर आवश्यक कार्रवाई करने की दिशा में भी पहल की गई।सीनियर डीसीएम सह पीआरओ



अनूप कुमार सिंह ने बताया कि रेल जन संवाद मुख्य उद्देश्य रेलवे और आम जनता के बीच बेहतर सम्न्ध स्थापित करना तथा यात्रियों की जरूरतों के अनुरूप रेल सेवाओं को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और प्रभावी बनाना है।सीनियर डीसीएम श्री सिंह ने कहा कि यात्रियों की संतुष्टि और बेहतर रेल सुविधाएं उनकी पहली प्राथमिकताओं में शामिल हैं। जनसामान्य से प्राप्त सुझावों और फीडबैक के आधार पर रेल सेवाओं में निरंतर सुधार के लिए मंडल प्रतिबद्ध है।

सूत्री अध्यक्ष मंटू कुमार दास, भाकपा माले के सोनू यादव, शिवकुमार यादव सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित पात्र नागरिकों तक अभियान की जानकारी पहुंचाई जाए। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी अपेक्षा की गई कि वे अपने स्तर से लोगों को जागरूक करें। ताकि निर्धारित प्रक्रिया के तहत पात्र नागरिक अपना पंजीकरण करा सकें। अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची में पात्र नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना है।एसडीओ राजू कुमार ने कहा कि पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराना निर्वाचन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है।विशेष अभियान के माध्यम से उन नागरिकों को पंजीकरण के लिए जागरूक किया जाएगा जिनका नाम किसी कारणवश मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाया है। उन्होंने पात्र नागरिकों से निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करने की अपील की।

## मतदाता सूची से छूटे पात्र नागरिकों के नाम जोड़ने को चलेगा विशेष अभियान

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता बारसोई /कटिहार।** मतदाता सूची में किसी भी पात्र नागरिक का नाम छूटे नहीं इसे सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन विशेष अभियान चलाएगा। विशेष गहन पुनरीक्षण एसआइआर 2025 की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने की पहल तेज की जा रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार को अनुमंडल कार्यालय बारसोई के सभागार में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।बैठक में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी,64-कदवा सह भूमि सुधार उपसमाहतां मयंक कुमार, 65-बलरामपुर के एसडीओ राजू कुमार तथा सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बारसोई बीडीओ चंदन प्रसाद ने अभियान की महत्ता पर चर्चा की। मौके पर नगर पंचायत बारसोई के वार्ड पार्षद फैजान, लोजपा रामविलास के विधायक प्रतिनिधि सागर कुमार साह, राजद के दिलीप राय, भाजपा के पिंटू यादव, जदयू के बारसोई प्रखंड

## कृषि विज्ञान केंद्र की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता कटिहार।** बिहार कृषि विवि सबौर के निदेशक प्रसार शिक्षा की अध्यक्षता एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अटारी के वैज्ञानिक डॉ. डीभी सिंह एवं वैज्ञानिक डॉ. अमरेन्द्र कुमार की उपस्थिति में कृषि विज्ञान केंद्र कटिहार के प्रशिक्षण कक्ष में 17 वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि अनुसंधान एवं किसानों की समस्याओं के समाधान के साथ कृषि अपा बढ़ाने के विभिन्न उपायों पर चर्चा की गई।बैठक में कृषि विज्ञान केंद्र कटिहार के प्रमुख चोक-चोराहों पर पुलिस बल तैनात रहेगा जबकि सादे लिबास में भी पुलिसकर्मी पूजा पंडालों और मेला क्षेत्रों की निगरानी करेंगे। असामाजिक तत्वों और शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।दुर्गा पूजा की सुरक्षा के साथ बारसोई अनुमंडल में स्मृक के कथित कारोबार शराब तस्करी और अवैध लॉटरी के धंधे पर अंकुश लगाना भी डीएसपी के सामने अहम चुनौती है। स्थानीय स्तर पर नशे के कारोबार और गुवाओं पर इसके दुष्प्रभाव को लेकर चिंता जतायी जाती रही है। लोगों की अपेक्षा है कि पुलिस छोटे कारोबारियों के साथ साथ इनके पीछे सक्रिय मुख्य नेटवर्क तक पहुंचने वाले डीएसपी के सामने त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के साथ क्षेत्र में अवैध कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई करने की भी जिम्मेदारी है।

नगर परिषद उपाध्यक्ष राणा ओझा ने कहा कि नगर के समग्र विकास के लिए सड़क, नाली और अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित योजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। प्रत्येक वार्ड की स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकास कार्यों का धरातल पर उतारने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों के सहयोग और सुझावों के आधार पर पाकुड़ नगर परिषद क्षेत्र में विकास की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।कार्यक्रम में वार्ड पार्षद राखी सरदारन,

विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में कृषि अभियांत्रिकी विभाग के उपनिदेशक ने मखाना से लावा निकालने की मशीन में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं, पौधा संरक्षण विभाग के सहायक निदेशक ने कीट-व्याधियों की समस्या के समाधान के लिए किसानों को अपना मोबाइल नंबर उपलब्ध कराने की बात कही, ताकि सीधे संपर्क कर सकें। जिला कृषि पदाधिकारी ने किसानों की विभिन्न समस्याओं पर अपने विचार रखे। लीड्स संस्था के प्रतिनिधि जीविका के स्वयं सहायता समूहों के सशक्तीकरण के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया।बैठक में प्रगतिशील किसान प्रभुनाथ सिंह,पंचालाल मंडल, संजय मंडल, मनी देवी एवं माला देवी ने अपने सुझाव दिए। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉ. नंदिता कुमारी, संजीव कुमार, स्वर्णप्रभा रेड्डी, अमोकाश भारती, दिव्यजीत दत्ता, रमजी, महावीर राम सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन अनंत वर्मा ने किया।

## दुर्गा पूजा को लेकर माँक ड़िल और प्लैग मार्च, डीसी-एसपी ने परखी सुरक्षा व्यवस्था

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता पाकुड़।** दुर्गा पूजा-2026 को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पाकुड़ जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में उपायुक्त मेघा भारद्वाज और पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह की मौजूदगी में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों और पुलिस जवानों को माँक ड़िल कराई गई। इसके बाद शहर के प्रमुख गार्डों पर प्लैग मार्च निकालकर लोगों को सुरक्षा व्यवस्था के प्रति आश्वस्त किया गया। माँक ड़िल के दौरान विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने और भीड़ को नियंत्रित करने की स्थिति का अभ्यास कराया गया। पुलिस जवानों ने लाठी, हेलमेट, बॉडी प्रोटेक्टर, टीजी गन और वाटर कैनन सहित अन्य सुरक्षा एवं दंगा नियंत्रण उपकरणों के साथ अभ्यास किया। अभ्यास के दौरान असामाजिक

तत्वों द्वारा विधि-व्यवस्था बिगाड़ने की स्थिति में सबसे पहले दंडाधिकारी की माध्यम से उन्हें शांत कराने का प्रयास किया गया। स्थिति नियंत्रित नहीं होने पर वाटर कैनन से पानी की बौछार कर भीड़ को तितर-बितर करने का अभ्यास किया गया। इसके बाद अश्रु गैस के गोले और लाठी बल के इस्तेमाल के जरिए भीड़ नियंत्रण की प्रक्रिया का अभ्यास कराया गया। माँक ड़िल के दौरान पुलिस उपाधीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, परिचारी प्रवर सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। दुर्गा पूजा के मद्देनजर डीसी मेघा भारद्वाज और एसपी अनुदीप सिंह के नेतृत्व में नगर थाना क्षेत्र में प्लैग मार्च निकाला गया। इसकी शुरुआत सिद्धो-कान्हू पार्क से हुई। प्लैग मार्च रविंद्र चौक, आलक चौक, हाटपाड़ा, बिरसा चौक, अंबेडकर चौक और

हरिणडांगा बाजार होते हुए गांधी चौक तक पहुंचा। इस दौरान पुलिस पदाधिकारियों और जवानों ने शहर के प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। प्लैग मार्च में पुलिस उपाधीक्षक, पाकुड़ एवं महेशपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, परिचारी प्रवर, परिचारी और सभी थाना प्रभारी शामिल रहे। प्लैग मार्च के दौरान एसपी अनुदीप सिंह ने पाकुड़वासियों से दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। उन्होंने बर्न के दौरान आपसी भाईचारा बनाए रखने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने का संदेश दिया। जिला प्रशासन और पुलिस की इन तैयारियों का उद्देश्य दुर्गा पूजा के दौरान किसी भी अशुभ घटना को रोकना तथा श्रद्धालुओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना है।

## चुनाव ऑब्जर्वर ने मतदान केंद्र का किया निरीक्षण



**नवबिहार टाइम्स संवाददाता समेली/कटिहार।** आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले कोसी स्नातक निर्वाचन की तैयारियों को लेकर भागलपुर के आयुक्त सह चुनाव ऑब्जर्वर प्रेम सिंह मीना और जिला पदाधिकारी कटिहार अशुतोष द्विवेदी ने समेली प्रखंड मुख्यालय स्थित मतदान केंद्र का औचक निरीक्षण किया। अभिकारियों ने मतदान केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और चुनाव को लेकर जरूरी

सुविधाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इसके बाद जिला पदाधिकारी ने बाल विकास परियोजना कार्यालय और अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने कर्मचारियों की उपस्थिति पंजी समेत अन्य अभिलेखों की जांच की। साथ ही पंजियों में दर्ज प्रविष्टियों और कार्यालयों के कामकाज की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित कर्मियों को कार्यालयी व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए।

## सड़क, नाली के शिलान्यास से लोगों में हर्ष

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता पाकुड़।** नवरात्र एवं देवी अधिवास दिवस के पावन अवसर पर पाकुड़ नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 11 स्थित बागतीपाड़ा में सड़क-सह-नाली निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया गया। कुल 6,68,465 रुपये की लागत से बनने वाली इस सड़क-सह-नाली का शुभारंभ नगर परिषद अध्यक्ष शश्वरी पाल, उपाध्यक्ष राणा ओझा और वार्ड पार्षद निधा देवी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजन-अर्चन कर किया। शिलान्यास के बाद स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल रहा। यह निर्माण कार्य पार्थी मुखर्जी के घर से नंदू कहार के आवास तक करया जाएगा। स्थानीय निवासियों के अनुसार, इस गली में सड़क और समुचित जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण लंबे समय से परेशानी बनी हुई थी। विशेषकर बरसात के दिनों में जलजमाव के कारण आवागमन बाधित होता था। नाली के अभाव में घरों से निकलने वाले पानी की निकासी में भी कठिनाई होती थी।

स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई कि सड़क और नाली का निर्माण पूरा होने के बाद उन्हें इन समस्याओं से काफी हद तक राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे आवागमन सुगम होने के साथ मोहल्ले में स्वच्छता बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। नगर परिषद उपाध्यक्ष राणा ओझा ने कहा कि नगर के समग्र विकास के लिए सड़क, नाली और अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित योजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। प्रत्येक वार्ड की स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकास कार्यों का धरातल पर उतारने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों के सहयोग और सुझावों के आधार पर पाकुड़ नगर परिषद क्षेत्र में विकास की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।कार्यक्रम में वार्ड पार्षद राखी सरदारन,

कृष्णा शर्मा, पूनम देवी, तनु दास, चेन्ू बीवी, राबिया बीवी, अनिकेत गोस्वामी, रियाज अंसारी, विमल चंद्र राउत, राजा अंसारी और गुड्डू कुमार भगत सहित जेई संजीत मालतो एवं विमल कुमार उपस्थित रहे।

**दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा**

सीनिए. डीईई/टीआरडी/आद्रा, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। (1) ई-निविदा सूचना सं.: टीआरडी-एडीए-ई-ई-र-18-2026, दिनांक 13.10.2026; कार्य का विवरण: आद्रा मंडल के छातना स्टेशन में लगभग 750 नीटर की पंजी लंबाई की दो नई लाइनों अप दिखा में एक कॉमन लूप लाइन तथा डाउन दिखा में दूसरी लाइन के प्राक्धान हेतु ओपनवर्ड कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य: रु. 3,76,49,470.87। (2) ई-निविदा सूचना सं.: टीआरडी-एडीए-ई-ई-र-21-2026, दिनांक 14.10.2026; कार्य का विवरण: बांझड़ा स्टेशन में कॉमन लूप के रूप में थप लूप लाइन के उन्नयन द्वारा डाउन मेन सह अप लूप की सुविधा के उन्नयन के लिए अप एवं डाउन मेन लाइन क्रॉस ओवर के विच्छेदन के लिए ओपनवर्ड का सुधार कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य: रु. 2,84,27,125.52; उपरोक्त कार्यों के लिए ई-निविदा-18-2026 एवं 21-2026 के बंद होने की तिथि एवं समय: 06.11.2026 को 15.00 बजे तथा निविदाएं दिनांक 06.11.2026 को 15.00 बजे के चयनरत होती जाएंगी। उपरोक्त ई-निविदा का विवरण देखवाहट [www.lreps.gov.in](http://www.lreps.gov.in) पर देखे जा सकते हैं। (PR-908)

## संक्षिप्त

## समाचार

छह महीने में 2,388 करोड़ बढ़ा  
रेवेन्यू, दिल्लीवालों की शॉपिंग से  
भरा सरकारी खजाना



**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश में महंगाई दर में बढ़ोतरी के बाद भी दिल्ली वाले जमकर खरीदारी कर रहे हैं। घर, गाड़ी के साथ अन्य खरीदारी के चलते दिल्ली सरकार की राजस्व प्राप्तियों में चालू वित्त वर्ष 2026-27 के शुरुआती छह महीनों में पिछले वित्त वर्ष के इसी अवधि के मुकाबले 7.58 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल से सितंबर 2026 के दौरान कुल 33,877.68 करोड़ की कमाई हुई, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में इसी दौरान यह कमाई 31,489.26 करोड़ थी। सरकार की कमाई का सबसे बड़ा स्रोत अब भी जीएसटी है। सितंबर 2026 तक इससे 19,023.42 करोड़ मिले, जो कुल राजस्व प्राप्ति्यों का करीब 56 प्रतिशत हिस्सा है। हालांकि, जीएसटी से होने वाली कमाई में बढ़ोतरी पिछले साल इसी अवधि के मुकाबले केवल 1.67 फीसदी की ही बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान दिल्ली सरकार का वैट 13.24 फीसदी बढ़कर 3826.43 करोड़ रुपये पहुंच गया।

**सैफ अली खान ने किराए**

**पर दी प्रॉपर्टी, 22.76 लाख रुपये**  
**महीने का किराया**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** फिल्म अभिनेता सैफ अली खान ने मुंबई के अंधेरी-कुर्ला रोड पर अपनी एक प्रॉपर्टी को किराए पर दिया है। इस प्रॉपर्टी में दो यूनिट हैं। जिसका एरिया 5692 स्क्वायर फीट है। सैल अली खान को इस रियल एस्टेट से हर महीने 22.76 लाख रुपये की कमाई होगी। इस प्रॉपर्टी को एक फिन्टेक कंपनी को किराए पर दिया गया है। बता दें, फिलहाल यह डील 5 साल के लिए हुई है।

लीव और लाइसेंस एग्रीमेंट 29 सितंबर 2026 को साइन किया गया। यह कॉन्ट्रैक्ट 5 साल के लिए है। जिसकी समय सीमा 10 मई 2026 से 9 मई 2031 तक रहेगी। बता दें, इस जगह को श्व्वा फिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड ने किराए पर लिया है। इस कंपनी के डायरेक्टर विकास मोहन सचदेवा हैं। इस एग्रीमेंट में 2.36 करोड़ रुपये का सिक्वोरिटी डिपॉजिट भी शामिल है। जोकि 10 महीने के किराए के बराबर है। कंपनी को दो महीने का रेंट फ्री मिला है। बता दें, हर साल किराए में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। एग्रीमेंट के अनुसार 60 महीने के टाइम पीरियड के लिए फिन्टेक कंपनी को 14 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा। जिसमें जीएसटी शामिल नहीं है। प्रॉपर्टी के रजिस्ट्रेशन के अनुसार यह कॉमर्शियल यूनिट अंधेरी ईस्ट के चाकला में कनिका वाल स्ट्रीट में स्थित है। कॉन्ट्रैक्ट के अनुसार प्रॉपर्टी का एरिया 5692 स्क्वायर फीट का है। जिसका मासिक किराया 2276800 रुपये है। रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट दिखाता है कि इन दो कॉमर्शियल यूनिट को सैफ अली खान ने नवंबर 2025 में खरीदा था। रिकॉर्ड डेट अनुसार दोनों यूनिट का मिलाकर फिल्म अभिनेता ने 30.75 करोड़ रुपये खर्च किए थे। फिल्म अभिनेता का लक्जरी अपार्टमेंट मुंबई के बांद्रा वेस्ट में स्थित है। एक दशक पहले सैफ अली खान ने सतगुरु शरण बिल्डिंग में फ्लैट खरीदा था। इसके अलावा मुंबई में उनके पास कई अन्य प्रॉपर्टी भी है।

**11 साल के बाद फिर से बोनस शेयर,**  
**डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट तय**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** तिमाही नतीजों के साथ-साथ बोनस शेयर और डिविडेंड का ऐलान करने वाली आईटी कंपनी टेक महिंद्रा के शेयरों की कीमतों में आज 5 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर आज शुक्रवार को बीएसई में बढ़त के साथ 1714.95 रुपये के स्तर पर बीएसई में ओपन हुए थे। दिन में कंपनी के शेयरों का दाम 1538.40 रुपये (9:22 डुब्ब) के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया है। बता दें, कल गुरुवार को कंपनी ने तिमाही नतीजों का ऐलान किया था। दूसरी तिमाही के नतीजों के बाद ब्लोकर हाउस कोटक ने कंपनी के टारगेट प्राइस को बढ़ा दिया है।

## टाटा ट्रस्ट विवाद

**मुंबई, एजेंसी।** टाटा ट्रस्ट्स से जुड़े दो धर्मार्थ ट्रस्टों ने मेहली मिस्त्री के उस अधिकार पर सवाल उठाया, जिसके आधार पर वह उनके कामकाज को लेकर आपत्तियां उठा रहे हैं। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट (एसडीटीटी) और बाई हीराबाई जमशेदजी टाटा नवसारी चैरिटेबल इंस्टीटयूशन ने चैरिटी कमिश्नर कार्यालय में दाखिल हलफनामों में कहा कि मिस्त्री का ट्रस्टी के रूप में कार्यकाल 28 अक्टूबर 2025 को समाप्त हो गया था। ऐसे में इसके बाद ट्रस्टों के कामकाज पर सवाल उठाने का उनके पास अधिकार नहीं है।

मेहली मिस्त्री दिवंगत रतन टाटा के करीबी माने जाते थे। उन्होंने कथित तौर पर चैरिटी कमिश्नर के समक्ष शिकायत की थी कि दोनों ट्रस्टों में प्रशासनिक खामियां और हितों के टकराव की स्थिति है। उन्होंने ट्रस्टों के फैसले लेने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए थे।

**ट्रस्टों ने कार्यकाल का दिया हवाला:** दोनों ट्रस्टों ने अलग-अलग हलफनामे दाखिल कर कहा कि मिस्त्री को तीन साल के लिए ट्रस्टी नियुक्त किया गया था। उनके मुताबिक, पूर्व ट्रस्टी होने के आधार पर मिस्त्री को अब ट्रस्टों के प्रशासन और कामकाज को चुनौती देने का अधिकार नहीं है। ट्रस्टों ने चैरिटी कमिश्नर कार्यालय से

## गेहूं के दाम 5 प्रतिशत से ज्यादा बढ़े: पांच साल के उच्चतम स्तर पर सरकारी स्टॉक



**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत सरकार की ओर से 24 अगस्त को गेहूं और इसके उत्पादों ( जैसे आटा, मैदा और सूजी) के निर्यात पर चार साल से जारी प्रतिबंध हटाए जाने के बाद गेहूं की कीमतों में 150 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक की वृद्धि हो चुकी है। वैश्विक स्तर पर गेहूं की कीमतें तीन साल के उच्चतम स्तर के करीब चल रही हैं। 24 अगस्त को नई दिल्ली में गेहूं का दाम 2879 रुपये प्रति क्विंटल था, जो 14 अक्टूबर को बढ़कर 3030 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गई है। इस दौरान दिल्ली में गेहूं की कीमत में 151 रुपये प्रति क्विंटल या 5.24 फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। गेहूं की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर खुदरा बाजार में आटा, मैदा, सूजी और बिस्कुट-ब्रेड जैसे बेकरी उत्पादों की कीमतों पर पड़ेगा। इससे आम परिवारों के मासिक बजट पर थोड़ा अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। राहत की बात यह है कि सरकार के पास पर्याप्त खाद्य भंडार मौजूद है। यदि आने वाले दिनों में कीमतें और बढ़ती हैं, तो सरकार बाजार में हस्तक्षेप कर सकती है और दाम नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त गेहूं खुले बाजार में बेच सकती है।

**5 साल का उच्चतम स्टॉक:** भारतीय खाद्य निगम के आंकड़ों से पता चलता है कि एक सितंबर तक गेहूं का स्टॉक 479 लाख टन के 5 साल के उच्चतम स्तर पर है। पिछले वर्ष समान अवधि में यह 332.97 लाख टन था।

**बुआई पिछड़ने की आशंका, स्टॉक को लेकर बढ़ी सतर्कता:** पृथ्वी फिनमार्टके डायरेक्टर और कर्मांडीटी रिसर्च हेड मनोज कुमार जैन के मुताबिक,मौसम और अल-नीनो की आशंका के चलते इस बात की चर्चा है कि आगामी रबी सीजन में गेहूं की बुआई पिछड़ सकती है या उत्पादन प्रभावित हो सकता है। इसी डर से बाजार में स्टॉक को लेकर सतर्कता बढ़ गई है। इसके अलावा त्योहारी सीजन की शुरुआत और आने वाले शादियों के सीजन के चलते उपभोक्ता मांग और मिलर्स की खरीदारी भी तेजी हुई है, जिससे कीमतों को समर्थन मिल रहा है।

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले दिनों एक कार्यक्रम में कहा था कि सरकार बजट से पहले होने वाली चर्चाओं में लॉन्ग टर्म कैपिटल गेम्स टैक्स हटाने पर सुझाव सुनना चाहेगी। हालांकि, उन्होंने यह पक्का नहीं किया कि यह टैक्स हटाया जाएगा या इसकी दर कम की जाएगी। आज देसी और विदेशी, दोनों निवेशक एलटीसीजी टैक्स पर मुछर हैं। लेकिन, मेरे ख्याल से वित्त मंत्री की बात सही है।

**कम नहीं होगी दर:** सरकार ने इससे पहले अस्थायी तौर पर शेयर बाजार में वायदा कारोबार पर सिक्वोरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स लगाया था, लेकिन वित्त वर्ष 2026-

27 के बजट में ख़झ की दर 0.02 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.05 प्रतिशत कर दी गई। बाजार की अभी जो स्थिति है उसमें लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन का सवाल ही नहीं है, क्योंकि ज्यादातर निवेशकों के लिए मुनाफा कमाना मुश्किल हो रहा है। हर जगह ज्यादातर घाटा है। फिलहाल, मुझे ऐसा नहीं लग रहा है कि एलटीसीजी कम होने वाला है। मेरे ख्याल से विचार कर सकती है या कर की दर थोड़ी कम कर सकती है।

**अर्थव्यवस्था सुधारना जरूरी:** बाजार में 1,100 अंकों की तेजी को एलटीसीजी पर वित्त मंत्री के बयान के संभावित असर के तौर पर देखा गया। हालांकि,



आग्रह किया कि मिस्त्री की आपत्तियों के गुण-दोष पर विचार करने या किसी जांच का आदेश देने से पहले यह तय किया जाए कि उनकी याचिका सुनवाई योग्य है या नहीं और संबंधित कार्यालय को इस पर सुनवाई का अधिकार क्षेत्र प्राप्त है या नहीं।

एसडीटीटी ने कहा कि सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट, सर रतन टाटा ट्रस्ट (एसआरटीटी) और बाई हीराबाई अलग-अलग सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट हैं। इनके संचालन के दस्तावेज, बोर्ड, संपत्तियां और खाते अलग हैं। इसलिए मिस्त्री की ओर से सभी मामलों की एक ही

# मेहली मिस्त्री को आपत्ति का अधिकार नहीं, 2025 में ही खत्म हो चुका कार्यकाल दो धर्मार्थ ट्रस्टों ने मेहली मिस्त्री पर सवाल उठाया

### नोएल टाटा को रिपोर्टिंग ट्रस्टी बनाने का प्रस्ताव

इस बीच, बाई हीराबाई ट्रस्ट ने मामले में विजय सिंह के इस साल की शुरुआत में ट्रस्टी पद से हटने के बाद उनकी जगह नोएल टाटा को रिपोर्टिंग ट्रस्टी नियुक्त करने के लिए आवेदन दिया है। यह मामला ट्रस्ट के कामकाज को लेकर मिस्त्री की शिकायतों से संबंधित है। मिस्त्री ने गुरुवार को एक आवेदन दाखिल कर बाई हीराबाई ट्रस्ट से हलफनामा देने को कहा कि नोएल टाटा ट्रस्टी बनने के लिए निर्धारित पात्रता शर्तें पूरी करते हैं। मिस्त्री ने अपने आवेदन में कहा कि उप चैरिटी कमिश्नर को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रस्तावित रिपोर्टिंग ट्रस्टी नोएल टाटा, 7 दिसंबर 1923 की ट्रस्ट डीड की धाराओं 6 और 18 के तहत योग्य हों। उनके मुताबिक, ट्रस्ट डीड में ट्रस्टी के पारसी समुदाय से होने और जोरास्ट्रियन धर्म का पालन करने की शर्त का जिक्र है। मिस्त्री ने यह भी दावा किया कि बाई हीराबाई के बोर्ड में कुछ ऐसे ट्रस्टी हैं, जो नियुक्ति के लिए निर्धारित शर्तें पूरी नहीं करते। उनके अनुसार, ट्रस्ट डीड में ट्रस्टी के मुंबई या नवसारी का स्थायी निवासी होने और पारसी जोरास्ट्रियन धर्म से संबंधित होने की शर्त रखी गई है। इस बीच, एक अलग सुनवाई में सर रतन टाटा ट्रस्ट ने चैरिटी कमिश्नर को बताया कि 15 मई के आदेश के कारण उसे चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस आदेश के तहत ट्रस्ट को कोई बैठक करने से रोक दिया गया है।

कार्यवाही में सुनवाई की मांग स्वीकार नहीं की जानी चाहिए।

**ट्रस्ट डीड की शर्तों पर भी विवाद:** बाई हीराबाई ट्रस्ट ने अपने हलफनामे में ट्रस्ट डीड की धाराओं 6 और 18 की मिस्त्री की व्याख्या पर आपत्ति जताई। ये धाराएं ट्रस्टी बनने के लिए धर्म और निवास से जुड़ी

पात्रता शर्तों से संबंधित हैं। ट्रस्ट ने तर्क दिया कि ये प्रतिबंध मूल वंशीयत और उससे जुड़े कोडिंसिल के प्रावधानों से टकराते हैं, इसलिए इन्हें प्रभावी नहीं माना जाना चाहिए। मिस्त्री को इन हलफनामों पर जवाब दाखिल करने के लिए 5 नवंबर तक का समय दिया गया है।

## पेट्रोल निर्यात पर विंडफॉल कर बढ़ा, डीजल पर सरकार ने दी राहत



लीटर कर दिया गया है। ये नई दरें शुक्रवार, 16 अक्टूबर से प्रभावी हो गई हैं। घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल की मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।  
**विंडफॉल कर क्यों लगाया गया था:** सरकार ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच मार्च 27

को डीजल और एटीएफ के निर्यात पर शुल्क लगाया था। इसका मुख्य उद्देश्य ईंधन की घरेलू उपलब्धता को बढ़ाना था। मई 16 से पेट्रोल निर्यात पर भी यह कर लागू किया गया था। सरकार हर पखवाड़े इन दरों की समीक्षा करती है और उनमें बदलाव करती है।

### शुरु में सबने नकारा, पर पति-पत्नी डिगे नहीं, खड़ी कर दी सालाना 8 करोड़ कमाई वाली कंपनी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** यह कहानी सूरत के एक कपल की है। इनके नाम हैं - सुर्वी राठी मेंदपारा और करुणाल मेंदपारा। इन दोनों ने अलग सोच के साथ अपने काम की शुरुआत की। बच्चों के कपड़ों में फैशन के बजाय पति-पत्नी ने सहूलियत, सुरक्षा और आराम को प्राथमिकता दी। पढ़ाई के दौरान मिले इस कपल ने साल 2021 में अपने स्टार्टअप की नींव रखी। इसका नाम कोकून केयर है। कॉटन के विकल्प के तौर पर दोनों ने इको-फ्रेंडली बैम्बू फैब्रिक (बांस के कपड़े) को चुनकर नया ट्रेंड सेट किया। आज यह स्टार्टअप करोड़ों की कमाई कर रहा है। आइए, यहां सुर्वी राठी मेंदपारा और करुणाल मेंदपारा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। सुर्वी और करुणाल की मुलाकात एमबीए की पढ़ाई के दौरान हुई थी। 2015 में डिग्री पूरी करने के बाद सुर्वी ने मार्केटिंग और मेक-अप आर्टिस्ट के रूप में काम किया। करुणाल फाइनेंस एनालिस्ट बने। 2018 में शादी के बाद दोनों के बिजनेस बैकग्राउंड ने उन्हें खुद का काम शुरू करने के लिए प्रेरित किया। बड़ों के कपड़ों के बाजार में बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा देखकर उन्होंने बेबीवेयर (बच्चों के कपड़े) सेगमेंट पर फोकस किया। उनका मानना ​​था कि नवजात शिशुओं को दिन में दर्जनों बार कपड़े बदलने पड़ते हैं। इसलिए बच्चों के कपड़ों में स्टाइल से ज्यादा उनकी उपयोगिता सर्वोपरि होनी चाहिए। कॉटन का बेहतर और सुस्थित विकल्प एमबीए की पढ़ाई के दौरान उन्होंने बेबीवेयर (बच्चों के कपड़े) हाइपोएलर्जैनिक और इको-फ्रेंडली था। उस समय भारत में बैम्बू फैब्रिक से बने बेबीवेयर का ट्रेंड नहीं था। शुरुआती निवेश करते हुए उन्होंने चीन के अलीबाबा से कपड़ा मंगवाया। सैपल तैयार कराए। जब वह मुंबई के रिटेलर्स के पास गए तो सबने उनके महंगे दाम और अनजान ब्रांड का हवाला देकर रिजेक्ट कर दिया। लेकिन, परिवार से मिले सकारात्मक फीडबैक ने उनका हौसला बनाए रखा। उन्होंने 2021 के लॉकडाउन में सीधे ऑनलाइन अपनी वेबसाइट के जरिए उत्पाद बेचना शुरू किया।

## टैक्स हटाने की घोषणा से ही नहीं सुधरेगा मार्केट, सरकार को रोजगार के नए अवसर बनाने होंगे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले दिनों एक कार्यक्रम में कहा था कि सरकार बजट से पहले होने वाली चर्चाओं में लॉन्ग टर्म कैपिटल गेम्स टैक्स हटाने पर सुझाव सुनना चाहेगी। हालांकि, उन्होंने यह पक्का नहीं किया कि यह टैक्स हटाया जाएगा या इसकी दर कम की जाएगी। आज देसी और विदेशी, दोनों निवेशक एलटीसीजी टैक्स पर मुछर हैं। लेकिन, मेरे ख्याल से वित्त मंत्री की बात सही है।

**कम नहीं होगी दर:** सरकार ने इससे पहले अस्थायी तौर पर शेयर बाजार में वायदा कारोबार पर सिक्वोरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स लगाया था, लेकिन वित्त वर्ष 2026-

27 के बजट में ख़झ की दर 0.02 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.05 प्रतिशत कर दी गई। बाजार की अभी जो स्थिति है उसमें लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन का सवाल ही नहीं है, क्योंकि ज्यादातर निवेशकों के लिए मुनाफा कमाना मुश्किल हो रहा है। हर जगह ज्यादातर घाटा है। फिलहाल, मुझे ऐसा नहीं लग रहा है कि एलटीसीजी कम होने वाला है। मेरे ख्याल से विचार कर सकती है या कर की दर थोड़ी कम कर सकती है।

**अर्थव्यवस्था सुधारना जरूरी:** बाजार में 1,100 अंकों की तेजी को एलटीसीजी पर वित्त मंत्री के बयान के संभावित असर के तौर पर देखा गया। हालांकि,

बाजार की लंबी अवधि की दिशा अर्थव्यवस्था और दूसरे कारकों पर भी निर्भर करेगी। फिलहाल, बाजार में लगातार बिकवाली देखने को मिल रही है। जब तक अर्थव्यवस्था में सुधार नहीं होगा, टैक्स हटाने की घोषणा भर से बाजार की स्थिति नहीं सुधरेगी वाली। अभी देश की इकॉनमी सुधारने पर जोर होना चाहिए।

**बजट हुआ गड़बड़:** वस्तुओं का निर्यात करने वाली कंपनियों का कहना है कि शिपिंग की लागत पहले के मुकाबले 5-6 गुना ज्यादा हो गई है। भू-राजनीतिक तनाव के कारण आपूर्ति शृंखला प्रभावित हुई है और विनिर्माण कंपनियों की हालत खस्ता है। स्टील,

एल्युमिनियम, कॉपर का इस्तेमाल करने वाली कंपनियों की हालत बुरी है। कीमतों में अचानक आई तेजी से उनका बजट गड़बड़ हो गया है। इसलिए अभी निवेश से पहले यह देखना चाहिए कि किस सेक्टर के प्रभावित होने के आसार हैं और कौन-सा सेक्टर रक्षा कवच हो सकता है।

**रोजगार चाहिए:**अभी देश में सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है। सरकार को रोजगार के नए अवसर बनाने होंगे। इससे अर्थव्यवस्था में सुधार आएगा। अगर आप समस्या के बारे में पूछें तो फिलहाल चल रहे विरोध-प्रदर्शन हैं।

### टाटा के दिग्गज शेयर ने किया

**मालामाल, 25 साल में 10 हजार रुपये**  
**के बना दिए 3 करोड़ रुपये से ज्यादा**

**मुंबई, एजेंसी।** टाइटन ने 25 साल में अपने निवेशकों को 1 बार बोनस शेयर दिए और स्टॉक स्प्लिट भी किया। कंपनी के बिजनेस मॉडल, वित्तीय सेहत, मैनेजमेंट और उसके फंडामेंटल्स को देखकर लंबी अवधि के लिए लगाया गया दांव आपको मालामाल कर सकता है। टाटा ग्रुप की दिग्गज कंपनी टाइटन इसका बेहतरीन उदाहरण है। टाइटन के शेयरों ने 25 साल में छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। टाइटन के शेयरों में 25 साल पहले लगाए गए 10 हजार रुपये अब 3 करोड़ रुपये से ज्यादा बन गए हैं। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक रहे और बिग बुल नाम से मशहूर राकेश झुनझुनवाला ने भी टाइटन पर बड़ा दांव लगाया था। टाटा ग्रुप की इस दिग्गज कंपनी ने 25 साल की अवधि में 1 बार बोनस शेयर दिया और अपने शेयर का बंटवारा (स्टॉक स्प्लिट) भी किया है।

**10 हजार रुपये के ऐसे बन गए 3 करोड़ रुपये से ज्यादा:** टाटा ग्रुप की दिग्गज कंपनी टाइटन के शेयर 16 अक्टूबर 2001 को 1.45 रुपये के स्प्लिट/बोनस एडजस्टेड प्राइस पर थे। अगर किसी व्यक्ति ने 16 अक्टूबर 2001 को टाइटन के शेयरों में 10000 रुपये लगाए होते तो आज की तारीख में उसके पास टाइटन कंपनी के 6896 शेयर होते। टाइटन के शेयर 15 अक्टूबर 2026 को बीएसई में 4450.10 रुपये पर बंद हुए हैं। ऐसे में 6896 शेयरों की मौजूदा वैल्यू 3.06 करोड़ रुपये होती।

**1 बार बोनस शेयर और 10 टुकड़े में बांटे शेयर:** टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन ने अपने शेयरधारकों को एक बार बोनस शेयर का तोहफा दिया है।

### इस कर का क्या उद्देश्य है

विंडफॉल कर का एक अन्य उद्देश्य निर्यातकों को अनुचित लाभ लेने से रोकना था। पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गई थीं। इस मूल्य अंतर का लाभ उठाकर निर्यातक अधिक मुनाफा कमा रहे थे। सरकार चाहती थी कि पेट्रोलियम उत्पादों की घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित हो।

### क्या घरेलू बाजार पर असर पड़ेगा

वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि घरेलू खपत के लिए बेचे जाने वाले पेट्रोल और डीजल की मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसका मतलब है कि देश के भीतर उपभोक्ताओं के लिए कीमतों पर सीधा असर नहीं पड़ेगा। यह कदम मुख्य रूप से निर्यात को हतोत्साहित करने और देश में पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखने के लिए है।

## फेस्टिव सीजन के बीच सोने और चांदी की कीमत में तेजी



**नई दिल्ली, एजेंसी।** सोने और चांदी की कीमत में आज शुरुआती कारोबार में तेजी आई है। एससीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोना 300 रुपये से ज्यादा उछल गया जबकि चांदी 1400 रुपये मेंगीरी हो गई। हालांकि एशियाई कारोबार की शुरुआत में सोने की कीमतों में मामूली गिरावट आई। इससे पहले

के सत्र में सोना की कीमत 1 प्रतिशत से ज्यादा उछली थी। मार्केट पार्टिसिपेंट्स फेडरल रिजर्व की भविष्य की नीतिगत दिशा का अंदाजा लगाने की कोशिश कर रहे हैं। एमसीएक्स पर 4 दिसंबर की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 147489 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुई थी और आज यह 147781 रुपये पर खुला।

शुरुआती कारोबार में यह 307 रुपये की तेजी के साथ 147796 रुपये तक गया। इसी तरह 4 दिसंबर की डिलीवरी वाली चांदी भी पिछले सत्र में 210660 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी। आज यह 211792 रुपये पर खुली और शुरुआती कारोबार में 1440 रुपये की तेजी के साथ 212100 रुपये तक पहुंची।

- **फिजिकल मार्केट में कीमत:** फिजिकल मार्केट में सोने और चांदी की कीमत में मामूली गिरावट आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 10 रुपये की गिरावट के साथ 147430 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट गोल्ड भी 10 रुपये नीचे 135140 रुपये पर आ गया जबकि 18 कैरेट गोल्ड भी 10 रुपये नीचे 110570 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। चांदी की कीमत 100 रुपये की गिरावट के साथ 220900 रुपये पर आ आई।
- **इंटरनेशनल प्राइस:** इस बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमत में गिरावट आई है। स्पोट गोल्ड 0.4 प्रतिशत गिरकर 4,152.99 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इससे पहले के सत्र में डॉलर के कमजोर होने और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में गिरावट के कारण सोने की कीमतों में तेजी आई थी। दिसंबर डिलीवरी के लिए अमेरिकी गोल्ड पयर्स 0.1 प्रतिशत बढ़कर 4,173.90 डॉलर पर पहुंच गया। स्पोट सिल्वर 0.6 प्रतिशत गिरकर 57.09 डॉलर प्रति औंस पर आ गई।
- **पिछले सत्र में कीमत:** रुपये में मजबूती और हाजिर मांग कमजोर रहने से राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में गुरुवार को सोने की कीमतों में लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव सभी करों सहित 900 रुपये घटकर 1,49,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। बुधवार को सोना 1,50,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमतों में लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। इसका भाव पिछले बंद स्तर 2.21 लाख रुपये प्रति किलोग्राम से 6,000 रुपये घटकर 2.15 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। ये कीमतें सभी करों सहित हैं।

## जियो की लिस्टिंग से होगा बहुत बड़ा उलटफेर, टाटा को पछाड़कर रिलायंस बन जाएगा देश का सबसे वैल्यूएबल ग्रुप

**नई दिल्ली, एजेंसी।** रिलायंस इंडस्ट्रीज की कंपनी जियो प्लेटफॉर्मस का बहुप्रतीक्षित आईपीओ 21 अक्टूबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। यह देश के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा इश्यू होगी। जियो की लिस्टिंग से भारत की कॉर्पोरेट रैंकिंग में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल सकता है। इससे मुकेश अंबानी की अगुवाई वाला रिलायंस ग्रुप देश का सबसे वैल्यूएबल औद्योगिक घराना बन सकता है। पिछले कई दशक से यह ताज टाटा ग्रुप के पास है।

जियो के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 1065-1,119 रुपये तय किया है। इटी इंटेलिजेंस के आंकड़ों के अनुसार प्राइस बैंड के ऊपरी स्तर पर जियो का वैल्यूएशन लगभग 10.3 लाख करोड़ रुपये होगी। इससे रिलायंस ग्रुप का मार्केट कैप बढ़कर लगभग 28.5 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा। यह 15 अक्टूबर को टाटा ग्रुप का मार्केट कैप 25.5 लाख

करोड़ रुपये था।

**रिलायंस का मार्केट कैप:** जियो की लिस्टिंग से पहले रिलायंस ग्रुप का मार्केट कैप 18.2 लाख करोड़ रुपये था। जियो प्लेटफॉर्मस के आईपीओ से 30,188 करोड़ रुपये जुटने की उम्मीद है। लगभग दो दशक में रिलायंस ग्रुप का पहला आईपीओ है। गुरुवार को जियो प्लेटफॉर्मस की अगुवाई वाला रिलायंस ग्रुप अफी 17.48 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ तीसरे स्थान पर है। इसके बाद एचडीएफसी ग्रुप (13.91 लाख करोड़ रुपये) और बजाज ग्रुप (13.88 लाख करोड़ रुपये) का नंबर है।



## नकुल धुल के एक्टिंग पर एक्टिंग यादव ने दी प्रतिक्रिया

रियलिटी शो 'बिग बॉस-20' के घर में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर आए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नकुल धुल (मिठू डॉन) और गुल्लू (कुशल तंवर) के बीच तीखी हाथापाई हो गई। इसी पूरे झमेले पर अब यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी- 2 के विनर एक्टिंग यादव ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच बहस इतनी बढ़ गई कि मामला हाथापाई तक पहुंच गया। इस शारीरिक हिंसा के बाद शो के नियमों के मुताबिक मेकर्स ने नकुल धुल को घर से बाहर निकाल दिया है। इसी पूरे मामले पर अब यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर एक्टिंग यादव ने अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने नकुल को इंजयरेक्टरी तंज कसा। एक्टिंग यादव ने लिखा, 'बहुत दिनों बाद आज बिग बॉस देखा। नियम बदल गए हैं, अब शायद जो भी घर में बड़े या समझदार की तरह रहता है उसे ही निकाल देते हैं। दुख हुआ देखकर।' एक्टिंग यादव के इस कमेंट ने सोशल मीडिया पर टकराव और भी ज्यादा बढ़ा दिया है, जिससे दोनों के फैंस के बीच सोशल मीडिया वॉर छिड़ गया है। जहां एक तरफ एक्टिंग यादव गुल्लू के साथ खड़े हैं, वहीं दूसरी ओर रजत दलाल और लक्ष्य चौधरी जैसे बड़े नाम इस लड़ाई में नकुल धुल के गेमप्ले और उनके इम्पैक्ट का समर्थन करते नजर आ रहे हैं। दरअसल, काजी तौकीर ने स्काउट ओपी के बारे में कुछ कहा था, जिसे लेकर नकुल धुल ने स्काउट के सामने यह बात उठाई। जब काजी और स्काउट के बीच बहस हो रही थी, तब गुल्लू (कुशल तंवर) बीच-बचाव करने और मामला शांत कराने पहुंचे। नकुल धुल इस बात पर भड़क गए कि गुल्लू उन्हें समझाने वाले कोन होते हैं। बहस इतनी बढ़ी कि नकुल और गुल्लू के बीच धक्का-मुक्की और हाथापाई हो गई। घर के सदस्यों के बीच-बचाव के बावजूद, फिजिकल वायलेंस (हिंसा) के नियमों के चलते बिग बॉस ने नकुल धुल को तुरंत घर से बाहर (बेघर) कर दिया।

# राधिका मदान ने बताया कैसे खुद को ट्रोलिंग से बचाया

बॉलीवुड अभिनेत्री राधिका मदान ने महिलाओं के लुक को लेकर दबाव झेलने पर बात की। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर सेलेब्स के लुक को ट्रोल करने पर भी काफी कुछ कहा। जानें क्या बोली राधिका...

बॉडी शेमिंग पर क्या बोली राधिका? राधिका मदान ने बॉडी शेमिंग को लेकर अपना निजी संघर्ष भी साझा किया। उन्होंने बातचीत में कहा, 'मैंने फिल्म 'पटाखा' के लिए 15 किलो वजन बढ़ाया था और 'शिद्दत' व 'अंग्रेजी मीडियम' के लिए मैं वह वजन घटा रही थी। इस दौरान मुझे कहा गया कि मैं बहुत मोटी हो गई हूँ और हीरोइन कैसे बन सकती हूँ? इसके बाद लगातार शूटिंग करते हुए मेरा वजन घटता रहा और मैं बिल्कुल हड्डियों का ढांचा बन गई।' एक्ट्रेस ने खुद से किया यह सवाल आगे अपने इंटरव्यू में राधिका ने कहा, 'मैंने खुद से पूछा कि मैं लोगों को खुश करने की कोशिश क्यों कर रही हूँ, जबकि वे कभी खुश नहीं

होंगे? इसलिए, मैंने एक खास शारीरिक बनावट पाने की चाहत के बजाय स्वास्थ्य रहने पर ध्यान देना शुरू किया। एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो दूसरों की राय आपको प्रभावित नहीं करती, क्योंकि आप समझदार हो जाते हैं। आपको नहीं पता कि उनकी आलोचना किस असुरक्षा से उपजी है। लेकिन मुझे इस बात का सुकून है कि अब मैं स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रही हूँ।' राधिका ने बताया कैसे करें खुद से प्यार? अपनी बातचीत में राधिका मदान ने कहा, 'मुझे खुद से प्यार करने का विचार थोड़ा घिसा-पिटा लगता है, लेकिन आपको खुद को स्वीकार करना होगा। अपनी खुबियाँ के बारे में सोचना होगा। स्कूल के दिनों में मेरी भोईं जुड़ी हुई थीं और बहुत ज्यादा बाल थे। चूंकि मेरे माता-पिता का व्यवहार बहुत पॉजिटिव था, इसलिए मुझे इतना बढ़ावा दिया गया कि मुझे लगा कि लोगों को यह नहीं पता कि मैं कितनी सुंदर हूँ। मेरे दोस्त थे, लेकिन मुझे कभी भी उनकी राय की जरूरत महसूस नहीं हुई। इसलिए, जब मेरी जुड़ी हुई भोईं हट गई और लोग मुझे नोटिस करने लगे, तब भी मैंने उनमें बदलाव देखे।'

## सनी की फिल्म 'इक्का 2' की तैयारी हुई शुरू



सनी देओल की कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'इक्का' के दूसरे पार्ट को लेकर नई जानकारी सामने आई है। फिल्म की कहानी लिखने का काम शुरू हो चुका है और इसके अगले साल आगे बढ़ने की उम्मीद है। पहले पार्ट में वकील अर्जुन मेहरा के किरदार में नजर आए सनी एक बार फिर मुख्य भूमिका निभाएंगे। अभी इसकी शूटिंग शुरू होने की तारीख और रिलीज को लेकर कोई घोषणा नहीं हुई है। 'इक्का' के पहले पार्ट में अक्षय खन्ना ने भी अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म में उनके और सनी के किरदारों के बीच टकराव कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा था। दोनों कलाकारों को एक साथ देखने का मौका मिलने से भी फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्सुकता थी। अब दूसरे पार्ट में अक्षय के शामिल नहीं होने की खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के अनुसार... फिल्म की अगली कहानी में उनके किरदार को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। इसका मतलब है कि दूसरे भाग में सनी देओल के सामने एक नई कहानी और नए किरदार होंगे। फिल्म की कहानी नए सिरे से तैयार की जा रही है।' बता दें कि 'इक्का' सनी देओल के करियर की महत्वपूर्ण परियोजनाओं में से एक रही, क्योंकि इसके जरिए उन्होंने नेटवर्क पर अपनी शुरुआत की।



## मां बनने के बाद काम पर लौटीं दिव्यांका त्रिपाठी, बोलीं- बाउंस बैक जैसा कुछ नहीं होता

अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी इन दिनों पति विवेक दहिया के साथ कपल रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में जुड़वा बच्चों के जन्म के बाद काम करने की चुनौतियों पर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि बच्चों को कुछ समय के लिए अकेले छोड़ना बहुत मुश्किल हो गया है, क्योंकि वे बड़े हो रहे हैं और अपने आसपास की चीजों को एक्सप्लोर कर रहे हैं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि जैसे-जैसे बच्चे बड़े हो रहे हैं, उनकी देखभाल का अनुभव भी बदल रहा है। दिव्यांका त्रिपाठी ने कहा, 'इस स्टेज पर बच्चों को संभालना आसान है, क्योंकि अभी बस वह

सोते और खाते हैं लेकिन मुझे पता है कि अब उनके घुटनों के बल चलने का समय आ गया। उन्होंने धीरे-धीरे खुद को आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। मेरे लिए तो उन्हें दो से चार मिनट के लिए भी अकेला छोड़ना मुश्किल है। इसलिए मुझे उन्हें सेंट पर भी साथ ले जाना पड़ता है। हालांकि, यह आसान नहीं है।'

अभिनेत्री ने बताया कि लोगों को इस बात पर भी हैरानी होती है कि वो इतनी जल्दी काम पर कैसे लौट आईं। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा कहती हूँ कि महिलाएं ऐसे ही 'बाउंस बैक' नहीं कर लेती। देखिए, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। भले ही हम एक्ट्रेस कैमरे के सामने हंसती-मुस्कराती दिखती हैं लेकिन शरीर के अंदर दर्द, थकान और दिमाग में कन्फ्यूजन जैसा रहता है।' अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें काम पर लौटने की जरूरत नहीं थी लेकिन वे फिर भी लौटीं। क्योंकि एक मां के लिए घर पर बैठना भी आसान नहीं और काम करना भी आसान नहीं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मां बनने के बाद काम पर लौटने को लेकर महिलाओं की तुलना एक-दूसरे से नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर किसी की परिस्थितियाँ अलग होती हैं, इसलिए महिलाओं को किसी और के अनुभव के दबाव में आने के बजाय अपनी जमीनी पर भरोसा करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं ये इसलिए कह रही हूँ ताकि कोई भी एक महिला की तुलना दूसरी से न करे और ये न कहें कि 'अरे दिव्यांका ने कर लिया।' नहीं, ये सबके लिए मुश्किल है। हर कोई अपने-अपने हिसाब से काम पर लौटता है। तो आप भी अपनी गति से चलें और मैं भी अपनी गति से चल रही हूँ।'



## बॉक्स ऑफिस पर 'द वन फोर्स ऑफ द फारेस्ट' को मिली कामयाबी को लेकर खुश हैं तमन्ना



तमन्ना भाटिया इंडस्ट्री की उन एक्ट्रेसों में से हैं, जिन्हें बॉलिवुड का लकी मस्कट कहा जाता है। वे अपने निर्माता-निर्देशकों के लिए काफी लकी मानी जाती हैं। इंडस्ट्री में तकरीबन 20 साल बिता चुकी तमन्ना साउथ के बाद बॉलिवुड की भी चाहती अभिनेत्री बन गई हैं। इन दिनों वे चर्चा में यहीं अपनी नई फिल्म 'द वन फोर्स ऑफ द फारेस्ट' से। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है और तमन्ना की भूमिका को भी खूब सराहना मिली है।

बॉक्स ऑफिस पर अपनी फिल्म को मिली कामयाबी को लेकर तमन्ना बहुत खुश हैं। वे कहती हैं, 'इंटरनेट पर मैंने देखा कि लोग थिएटर्स के बाहर चप्पल उतारकर अंदर जा रहे हैं, पॉपकॉर्न की जगह ठेकुआ बांट रहे हैं। बिहार का ये खूबसूरत कल्चर हमने पहली बार इतने बड़े पर्दे पर देखा है। दिवाली और दूसरे त्योहार तो स्क्रीन पर खूब दिखे हैं, लेकिन छठ महापर्व को इस तरह पहले कभी नहीं देखा। मुझे लगता है कि हमारी संस्कृति और परंपराएं ही वो पल हैं, जो दर्शकों को जोड़ रहे हैं। फोकलोर को सिर्फ

रेगुलर तरीके से दिखाने के बजाय उसे बड़े स्टाइल में, खासकर फैमिली ऑडियंस के लिए पेश किया गया है। आज हमें एक ही जॉनर की नहीं, बल्कि मल्टी-जॉनर फिल्मों की जरूरत है, जो अलग-अलग तरह के दर्शकों को एक साथ एंगेज करें और जिनका कोर हमारी संस्कृति से जुड़ा हो। इस फिल्म में छठी मैया के गाने और छठ महापर्व को जिस तरह कहानी का हिस्सा बनाया गया है, उसने दर्शकों को बहुत आकर्षित किया। इंटरनेट पर मैंने देखा कि लोग थिएटर्स के बाहर चप्पल उतारकर अंदर जा रहे हैं, पॉपकॉर्न की जगह ठेकुआ बांट रहे हैं। बिहार का ये खूबसूरत कल्चर हमने पहली बार इतने बड़े पर्दे पर देखा है। दिवाली और दूसरे त्योहार तो स्क्रीन पर खूब दिखे हैं, लेकिन छठ महापर्व को इस तरह पहले कभी नहीं देखा। मुझे लगता है कि हमारी संस्कृति और परंपराएं ही वो पल हैं, जो दर्शकों को जोड़ रहे हैं।

### ऐसे कांड दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हैं

हाल ही में तमन्ना एक पौराणिक फिल्म का हिस्सा रही हैं। हमने तमन्ना से जानना चाहा कि एक तरफ

हमारे यहां नारियों को पूजा जाता है, मगर दूसरी तरफ आप दिन जमई कांड और आस्था कुंज गैंगरेप जैसे दरिंदगी से भरी घटनाएं जारी हैं। इस पर वे कहती हैं, 'मेरा मानना है कि समाज में अच्छे भी हैं और बुराई भी, तो हमारी जिम्मेदारी ये है कि हम बार-बार उस अच्छाई को जागरूक करते रहें, क्योंकि बुराई को हम पूरी तरह से रोक तो नहीं पाएंगे। मगर जब हम बार-बार अच्छाई को उभारेंगे, तो उस स्थिति से निपट पाएंगे। ये जितनी भी घटनाएं होती हैं, बहुत ही दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हैं, मगर एक कलाकार का काम है कि वह अपनी कला से लोगों को महसूस करा सके कि अच्छाई बाकी है, तो उसे बार-बार बुलंद करना होगा। मेरे हाथ में ये हैं और मैं ये कोशिश लगाता करती रहती हूँ।'

### माता-पिता हमेशा मेरा सपोर्ट सिस्टम रहे

तकरीबन हर लड़की कभी न कभी किसी छेड़खानी का शिकार हुई होती हैं, ऐसे में तमन्ना खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि उनके साथ ऐसी घटना कभी हुई। वे कहती हैं, 'मैं बहुत लकी हूँ, मेरे माता-पिता ने मुझे हमेशा प्रोटेक्ट किया। मैंने बहुत छोटी

उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। अगर उनका सपोर्ट न होता, तो मुझे जिंदगी के बेस्ट अनुभव नहीं मिलते। मगर मेरा बचपन बहुत शानदार रहा। मेरी किशोरावस्था में भी वे हमेशा मेरे साथ थे। आज भी मेरे पास उनके जैसा एक मजबूत सपोर्ट सिस्टम है। मैं इस मामले में भाग्यशाली हूँ कि पेरेंट्स के साथ ने मुझे हमेशा सुरक्षित रखा। मेरे साथ ऐसा कोई बुरा अनुभव नहीं हुआ, मगर मैंने ऐसी कई कहानियां सुनी हैं और मुझे सहानुभूति है। जिनके साथ ऐसा होता है, वो बहुत दर्दनाक होता है।'

### पैस का जॉब बहुत मुश्किल होता है

पैपराजी की पसंदीदा अभिनेत्रियों में से हैं तमन्ना। उन्हें दूसरे कई कलाकारों की तरह पैस से चिढ़ते नहीं देखा है। वे कहती हैं, 'हमारे पैस बहुत स्वीट हैं। वो भी हमारे और आपके जैसे लोग हैं। मैं लोगों में अंतर नहीं देखती हूँ। वो भी इंसान हैं और बहुत मेहनत करते हैं। कई बार घंटों इंतजार करते हैं कि स्टार्स आएँ और वे पिव्स विलक करें। उनका काम बहुत मुश्किल है। इंसान बहुत सरल होते हैं, उन्हें सिर्फ प्यार और सम्मान की चाह होती है। अगर आप उन्हें वो प्रेम और सम्मान दें, तो वो भी खुश रहेंगे, आप भी।' कॉर्पोरेटनशिप के बारे में वे कहती हैं, 'बहुत जरूरी है ये की आपके पास एक अच्छा साथी हो। अच्छा साथी आपको मजबूत और खुशनुमा फील कराता है।'

संक्षिप्त समाचार

चेतन शर्मा बोले- गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाएं बीसीसीआई गेंदबाजों को इतना मत मारो कि वे दोबारा मैदान पर न आना चाहें



नईदिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई के पूर्व चीफ सिलेक्टर और क्रिकेटर चेतन शर्मा ने बीसीसीआई से गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा- ‘टी-20 क्रिकेट में बल्लेबाजों के अनुकूल पिचों से बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।’ चेतन ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कहा- ‘मैं मानता हूं कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।’

गेंद और बल्ले के बीच संतुलन जरूरी – चेतन ने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट में भी ऐसी पिचें होनी चाहिए, जिन पर गेंदबाज अटैकिंग बल्लेबाजों का मुकाबला कर सकें। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में गेंदबाजों की मददगार पिचों की तरह इंटरनेशनल में भी ऐसी पिचें तैयार करने पर जोर दिया।

### ब्राजील के फुटबॉलर विनीसियस जूनियर पर 4 मैच का बैन

● विरोधी खिलाड़ी के बाल खींचे थे, बार्सिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे



मैड्रिड (एजेंसी)। रियल मैड्रिड के फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर पर चार लीग मैचों का बैन लगा है। वे बार्सिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे। यह मैच 26 अक्टूबर को स्पेनिश लीग ला-लीगा में खेला जाएगा। स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन की अनुशासन समिति ने बुधवार को विनिसियस पर 4 मैचों का प्रतिबंध लगाया है। ब्राजील के इस फुटबॉलर ने 11 अक्टूबर को मैच में विलारियल के नाथन सालिबा के बाल खींचे थे। हालांकि, विलारियल 1-0 से जीत गया। रेफरी ने गोल रद्द किया, रेड कार्ड भी दिखाया विनिसियस को बाल खींचने के लिए दो मैच और रेफरी से आक्रामक तरीके से विरोध करने के लिए दो मैचों का बैन मिला है। विलारियल के पिछले हफ्ते शनिवार को नाथन सालिबा के साथ दौड़ते समय बाल खींचे थे। इस घटना के तुरंत बाद विनिसियस ने गोल किया था। हालांकि, रेफरी ने गोल को रद्द कर दिया और उन्हें सीधे लाल कार्ड दिखाया। विनिसियस 18 अक्टूबर को सेविया के खिलाफ घरेलू मैच और अगले हफ्ते बार्सिलोना के दौरे पर नहीं खेलेंगे। वह रेसिंग सांतादेर और वेलेसिया के खिलाफ अवे मैच भी मिस करेंगे।

### चहल बोले- तलाक के बाद शराब की लत लगी

पैनिक अटैक से चेहरा टेढ़ा हो जाता था, बोलना मुश्किल था; 26 दिन रिहैब सेंटर में रहा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शराब की लत, तलाक और पैनिक अटैक पर बात की। उन्होंने आकाश चोपड़ा के पॉडकास्ट में बताया कि धनश्री वर्मा से तलाक के बाद उनकी शराब की लत बढ़ गई थी। वे 26 दिन रिहैब सेंटर में रहे थे। 36 साल के चहल ने बताया कि पैनिक अटैक के दौरान उनका चेहरा सिकुड़कर टेढ़ा हो जाता था। इससे बोलना भी मुश्किल होता था। चहल 3 साल से टीम इंडिया से बाहर है। उन्होंने पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच अगस्त 2023 में खेला था। उन्होंने 15 दिन पहले फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास लिया था।चहल ने अगस्त 2023 में अपना पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला था।

पैनिक अटैक में हॉट कसकर एक तरफ खिंच जाते थे- चहल – चहल ने पैनिक अटैक के बारे में बताया, ‘एंज्वायटी में दिल की धड़कन तेज हो



जाती है और मेरा चेहरा सिकुड़ जाता था।’ उन्होंने कहा, ‘मैं बोल भी नहीं पाता था। मेरा होंठ कसकर एक तरफ खिंच जाता था।चहल ने कहा कि इससे लोग समझ जाते थे कि उनके साथ कुछ गलत है। उन्हें डर था कि सोशल मीडिया पर लोग कई तरह की बातें करेंगे। चहल ने कहा, ‘मैंने सोचा कि आईपीएल पर ध्यान देते हैं।’

तलाक के बाद मानसिक स्थिति बिगड़ी- चहल – चोपड़ा ने पूछा कि शराब पीना कैसे और क्यों शुरू हुआ। चहल ने कहा, ‘शुरुआत में मैं युवा था। पार्टियां होती थीं। मैंने 2011 में अपना पहला आईपीएल खेला था।’ एबी डिविलियर्स ने एक बार उनसे कहा था, ज़िंदगी में संतुलन जरूरी है। चहल ने कहा कि यह बात सुनने में आसान है, लेकिन अपना आसान नहीं होता।चहल ने कहा, ‘तलाक के बाद चीजें हद से ज्यादा बढ़ गई थीं।’

### भारत-वेस्टइंडीज टी-20

# आज निर्णायक मुकाबले में भारत को करने होंगे 3 बड़े बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का पांचवां और निर्णायक मुकाबला 17 अक्टूबर 2026 को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। सीरीज फिलहाल 2-2 से बराबर है। ऐसे में दोनों टीमों की नजरें आखिरी मुकाबला जीतकर सीरीज अपने नाम करने पर होंगी।

हैदराबाद में खेले गए चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय टीम को 24 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने निर्णायक मुकाबले से पहले अपना आत्मविश्वास

मजबूत किया है। भारतीय टीम की कप्तान श्रेयस अय्यर के हाथों में है, जबकि तिलक वर्मा उपकप्तान की भूमिका निभा रहे हैं। भारत ने इससे पहले तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से जीती थी, लेकिन टी20 सीरीज में दोनों टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली है। अब सीरीज जीतने के लिए भारतीय टीम को अपनी रणनीति में कुछ अहम बदलाव करने पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे तीन बदलाव, जिन पर टीम प्रबंधन विचार कर सकता है।

#### कुलदीप यादव की प्लेइंग इलेवन में हो सकती है वापसी

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने सीरीज के शुरुआती दो टी20 मुकाबले खेले थे, लेकिन तीसरे और चौथे मैच में उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। ऐसे में निर्णायक मुकाबले के लिए उनकी टीम में वापसी पर विचार किया जा सकता है। कुलदीप ने इसी दौरे पर खेली गई वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। वह तीन मैचों में सात विकेट लेकर भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। इस प्रदर्शन ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनकी उपयोगिता को एक बार फिर साबित किया। कुलदीप ने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 15 फरवरी 2026 को पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। वह अब तक 54 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।

#### सीरीज जीतने के लिए भारत को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

भारत और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज 2-2 से बराबर होने के कारण पांचवां मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीय टीम को जीत हासिल करने के लिए बल्लेबाजी में निरंतरता, मध्य ओवरों में बेहतर रन गति और गेंदबाजी में विविधताओं पर ध्यान देना होगा। कुलदीप यादव की संभावित वापसी और टीम की रणनीति में बदलाव निर्णायक मुकाबले को दिलचस्प बना सकते हैं। अब देखना होगा कि भारतीय टीम आखिरी मैच में किस संयोजन के साथ मैदान पर उतरती है और सीरीज अपने नाम करने में सफल होती है या नहीं।

#### मध्य ओवरों में बल्लेबाजी की रफ्तार बढ़ानी होगी

पूरी सीरीज के दौरान भारतीय टीम को कई मौकों पर अच्छी शुरुआत मिली है, लेकिन मध्य ओवरों में रन गति बनाए रखने में परेशानी हुई है। शुरुआती ओवरों में बनाए गए दबाव को बड़े स्कोर में बदलने में टीम लगातार सफल नहीं रही है। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड बल्लेबाजों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। ऐसे में भारतीय मध्यक्रम के बल्लेबाजों को अधिक सकारात्मक रवैया अपनाना होगा। बल्लेबाजों को स्ट्राइक रोटेट करने, नियमित अंतराल पर बाउंड्री लगाने और ढीली गेंदों का फायदा उठाने पर ध्यान देना होगा। निर्णायक मुकाबले में मध्य ओवरों के दौरान रन गति में सुधार भारत की जीत की संभावनाओं को मजबूत कर सकता है।



### भुवनेश्वर 4 साल बाद आज टी-20 खेल सकते हैं, अर्शदीप की चोट के कारण टीम में शामिल

तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार को बेंगलुरु में होने वाले पांचवें टी-20 मैच में खेल सकते हैं। अर्शदीप सिंह को कंधे में चोट लग गई है। इस वजह से भुवी को स्कॉड में शामिल किया गया है। भारत-वेस्टइंडीज सीरीज अभी 2-2 की बराबरी पर है। 136 साल के भुवनेश्वर को 22 अक्टूबर से शुरु हो रहे न्यूजीलैंड दौरे के लिए टी-20 टीम में चुना गया था। लेकिन, अर्शदीप की चोट की वजह से अभी ही उनकी वापसी हो गई है। भुवनेश्वर ने आखिरी इंटरनेशनल मैच 2022 में खेला था।

#### अर्शदीप चौथे मैच में चोटिल हुए थे

अर्शदीप को बुधवार को हैदराबाद में खेले गए चौथे टी-20 के दौरान गेंदबाजी वाले कंधे पर चोट लगी थी। उनकी चोट को देखते हुए भुवनेश्वर को टीम में जगह दी गई है। अर्शदीप आखिरी मुकाबले में खेलेंगे या नहीं, इसका फैसला मैच से पहले उनकी रिक्वरी के आधार पर लिया जाएगा।

### भारत में 15 साल बाद लौट सकती है एफ1 रेस

बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फिर गूंज सकती है रफ्तार की आवाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में मोटरस्पोर्ट्स के प्रशंसकों के लिए एक बार फिर बड़ी उम्मीद जगी है। करीब 15 साल के लंबे अंतराल के बाद देश में फॉर्मूला-1 (एफ1)



रेस की वापसी की संभावनाएं तेज हो गई हैं। ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर दोबारा स्न1 रेस आयोजित करने को लेकर चर्चा चल रही है। अगर यह योजना सफल होती है, तो भारतीय फैंस को एक बार फिर दुनिया के सबसे तेज रेसिंग ड्राइवर्स को देश की धरती पर देखने का मौका मिल सकता है।

2028 में वापसी का लक्ष्य, सरकार ने तेज की तैयारी – रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में एफ1 की वापसी के लिए सरकार और

संबंधित पक्षों के स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इससे पहले 2027 में वापसी की संभावना पर विचार किया गया था, लेकिन तैयारियों के लिए अधिक समय देने के उद्देश्य से अब 2028 का

लक्ष्य सामने आया है। हालांकि, रेस की वापसी की अंतिम तारीख और आयोजन की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

अदाणी ग्रुप और एफ1 मैनेजमेंट के बीच बातचीत – रिपोर्टें में अदाणी ग्रुप और फॉर्मूला-1 मैनेजमेंट के बीच हालिया बातचीत का भी जिक्र है। ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट को दोबारा रेस के लिए तैयार करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रमोटर,

#### 2011 से 2013 तक भारत में हुई थी एफ1 रेस

भारत ने पहली बार 2011 में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फॉर्मूला-1 रेस की मेजबानी की थी। इसके बाद 2012 और 2013 में भी यहां ग्रांप्री का आयोजन हुआ। इन तीनों रेस में रेड बुल के दिग्गज ड्राइवर सेबेस्टियन वेटेल ने जीत दर्ज की थी। 2013 के बाद टैक्स विवाद, नियामकीय अड़चनों और वित्तीय समस्याओं के कारण भारत से स्न1 रेस का आयोजन बंद हो गया। अगर सरकार, संभावित प्रमोटर और एफ1 प्रबंधन के बीच सभी जरूरी मुद्दों पर सहमति बन जाती है, तो बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर की रेसिंग देखने का रास्ता खुल सकता है। इससे भारत में मोटरस्पोर्ट्स को बढ़ावा मिलने के साथ पर्यटन और निवेश को भी फायदा हो सकता है। फिलहाल, फैंस को आधिकारिक घोषणा का इंतजार करना होगा।

सरकारी सहयोग, वित्तीय व्यवस्था और सर्किट के संचालन जैसे अहम पहलुओं पर काम करना होगा।

### संजय मांजरेकर बोले- पिच पलैट बनाएं, बाउंड्री छोटी करें

बॉलर्स के खिलाफ नियम सख्त करने की जरूरत, ताकि हर मैच में 300 रन बने

नईदिल्ली (एजेंसी)। ‘मुझे लगता है कि पिचों को और फ्लैट बनाने, बाउंड्री छोटी करने और गेंदबाजों के खिलाफ नियम और सख्त करने की गुंजाइश है, ताकि टी-20 में नियमित रूप से 20 ओवर में 300 रन बन सकें।’ यह कहना है पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर का। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म झू पोस्ट के जरिए कही।

मांजरेकर की पोस्ट ऐसे समय आई है, जब पलैट भारतीय पिचों पर सवाल उठ रहे हैं। गौतम गंभीर, युजवेंद्र चहल जैसे कई दिग्गज क्रिकेटर्स पिचों को बॉलिंग फ्रेंडली बनाने की मांग कर रहे हैं।

एक दिन पहले चेतन शर्मा ने बॉलिंग पिचों की मांग की थी – एक दिन पहले

भारतीय टीम के पूर्व चीफ सिलेक्टर चेतन शर्मा ने कहा- ‘टी-20 क्रिकेट में बैटिंग पिचों से बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।’

नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में चेतन ने कहा- ‘मैं मानता हूं कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।’

#### गंभीर ने हफ्ते में 2 बार पिच पर सवाल

उठाए थे – 9 अक्टूबर की रात को रांची में दूसरे टी-20 के बाद गंभीर ने कहा था- पलैट पिचों पर गेंदबाजों के करियर दांव पर लगे हैं। सरफेस में बैट और बॉल के बीच बराबरी का मुकाबला होना जरूरी है।

### बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई

कहा- सवाल पूछिए, यह अनुशासनहीनता नहीं, सीखने की प्रोसेस



नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट शूटर अभिनव बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा- ‘समय के साथ खिलाड़ी अपने मन में भी सवाल करना बंद कर देते हैं।’

बिंद्रा ने एथलीट्स को सवाल पूछने करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी अपने काम, कोच, तरीकों और सिस्टम पर सवाल उठाएं।

बिंद्रा ने कहा कि खिलाड़ियों का खुलकर बोलना जरूरी है। कुछ लोग इसे अनुशासनहीनता मान सकते हैं, लेकिन यह बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी हो सकता है। बिंद्रा ने शुक्रवार को सोशल प्लेटफॉर्म झू पोस्ट में अपनी बात रखी।

#### अनुशासनहीनता और सीखने का फर्क

44 साल के बिंद्रा को भारत से निकले महान खिलाड़ियों में गिना जाता है। वे ओलिंपिक चैंपियन होने के साथ-साथ विश्व चैंपियनशिप के पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट भी हैं। सक्रिय खेलों से विदा लेने के बाद बिंद्रा इंटरनेशनल ओलिंपिक कमिटी की एथलीट्स कमीशन के वाइस-चेयर बने। उन्होंने इस पद पर आठ साल काम किया। उनका कार्यकाल इस साल की शुरुआत में खत्म हुआ।

मैंने अपने खेल करियर में कोचों से सवाल किए और विचारों को चुनौती दी। ऐसा अनादर के कारण नहीं, बल्कि समझने, सीखने और बेहतर होने के लिए किया।

मैंने अपने पूरे खेल करियर में कोचों से सवाल किए, विचारों को चुनौती दी और जिज्ञासु बना रहा। ऐसा इसलिए नहीं था कि मेरे मन में सम्मान की कमी थी। मैं समझना, सीखना और बेहतर होना चाहता था।’

#### मांजरेकर ने 37 टेस्ट में 2043 रन बनाए, स्पेशलाइज ट्रेनिंग देते हैं

संजय मांजरेकर भारतीय कमेंटेटर हैं, जोकि अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उन्हें तकनीकी रूप से मजबूत बैटिंग स्किल के लिए भी जाना जाता है। वे क्रिकेटर्स को स्पेशलाइज ट्रेनिंग देते हैं। मांजरेकर 37 मैचों के टेस्ट करियर में 2043 रन बनाए। इसमें 4 शतक और 9 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 74 वनडे मैचों में 1994 रन बनाए। इस फॉर्मेट में संजय के नाम एक शतक है।

3 अक्टूबर को गुवाहाटी में दूसरे वनडे के बाद गंभीर ने कहा था कि यह क्रिकेट नहीं था, सिर्फ बल्लेबाजी थी। उस मुकाबले में भारत ने 406 रन का लक्ष्य हासिल किया था। इस मुकाबले में 811 रन बने थे।

संक्षिप्त

समाचार

मौसम की जानकारी: कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बर्फबारी



**नई दिल्ली, एजेंसी।** पश्चिमी विश्वोभ के प्रभाव के चलते पहाड़ी क्षेत्रों में बदले मौसम का प्रभाव भी देखने को मिला। कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड के उच्च पर्वतीय इलाकों में ताजा बर्फबारी को मैदानों में भी ठंडक महसूस की गई। घाटी के ऊंचाई वाले पर्यटन स्थलों पर ताजा हिमपात होने का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग के अनुसार अगले चौबीस घंटों के दौरान घाटी में उच्च पर्वतीय इलाकों में हल्की बर्फबारी व बारिश हो सकती है। कश्मीर के पर्यटन स्थलों के गुलमर्ग के अफरवट, तुलैल, गुरेज, साधना टाप, राजदान टाप आदि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ताजा हिमपात हुआ है। जम्मू संभाग में बारिश ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान पहुंचा है और कटड़ा में हेलीकाप्टर सेवा प्रभावित रही। पुंछ जिले में अर्नुसारी के बाद मुबल रोड को कागनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। उत्तराखंड में पहाड़ से लेकर मैदान तक अधिकतर जिलों में दोपहर तक वर्षा हुई। हिमालय की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी हुई। चारधाम और आदि कैलास यात्रा सुचारू रही। शुक्रवार को देहरादून, उत्तरकाशी, टिहरी, पौड़ी व हरिद्वार में वर्षा व ओलावृष्टि हो सकती है। इसका आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने यात्रियों से मौसम की जानकारी लेकर ही यात्रा करने की अपील की है। पीटीआई के अनुसार हिमाचल प्रदेश में भी लाहौल-स्पीति में शिंकुला, बरालाचाला, कुंजुमला, कोकरसर और कागछा जिले की धौलाधार पर्वत शृंखलाओं में बर्फबारी हुई। अधिकारियों ने बताया कि ताजा बर्फबारी के कारण अधिक ऊंचाई वाले दरों में सड़कें फिसलन हो गई हैं, जिससे यात्रा करना जोखिम भरा हो गया है। रोहतांग दर्रे से सारचू, दारचा से शिंकु ला और ग्राम्पू से बाटल तक की सड़कें बंद कर दी गई हैं। हिमपात के बाद मनाली-लेह, मनाली-जंस्कार मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बंद कर दी है। हरियाणा में गुरुआर सुबह हुई वर्षा ने प्रदेश के किसानों की चिंता बढ़ा दी। फतेहबाद में चार लाख एकड़ में लगी धान की फसल में अभी 20 प्रतिशत कटाई हुई है, जबकि मंडियों में खरीदा गया 65 हजार मीट्रिक टन धान भी उठान की प्रतीक्षा में है। सिरसा और डबवाली की मंडियों में धान की ढेरियां पानी में डूब गईं। हांसी में तेज हवा से खेतों में खड़ी पकी धान की फसल बिछ गई। चरखी दादरी में खुले में रखा हजारों क्रिंटल बाजरा भीग गया। प्रदेश के 20 जिलों में वर्षा हुई। शुक्रवार को भी 10 जिलों में वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

### डमी दाखिलों पर सूचना आयोग चितित, सीबीएसई स्कूलों में औचक निरीक्षण की सिफारिश

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के स्कूलों में पढ़ रहे डमी दाखिलों पर चिंता जताई है। आयोग ने सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में डमी दाखिलों के आरोपों की जांच और अनिवार्य उपस्थिति के नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए औचक निरीक्षण की सिफारिश की है। डमी दाखिला का मतलब ऐसा दिखाने का एड्रमिशन होता है, जिसमें छात्रों का नाम स्कूल के रजिस्टर में तो होता है, लेकिन उसे स्कूल नहीं जाना पड़ता। छात्र केवल परीक्षा देने स्कूल जाता है। हाल ही में जारी आदेश में, सूचना आयुक्त सुधा रानी रेलंगी ने सीबीएसई को सुझाव दिया है कि वह अपने संबद्ध स्कूलों का औचक निरीक्षण करे। यह सुझाव एक शिकायत के बाद दिया गया है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कक्षाओं में उपस्थित नहीं होने वाले विद्यार्थियों को भी डमी प्रमाणपत्र जारी किए जा रहे हैं, जो संबद्धता की शर्तों का उल्लंघन है। सूचना आयुक्त ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 की धारा 25(5) के तहत यह सिफारिश की। शिकायतकर्ता ने भीपाल के प्राइवेट मिशनरी स्कूलों में उपस्थिति, विषय चयन और निर्धारित पाठ्यपुस्तकों से जुड़े नियमों की जानकारी मांगी थी। उसका आरोप है कि छात्रों को कक्षाओं में उपस्थित हुए बिना डमी प्रमाणपत्र जारी किया जाता है। शुरुआत में सीबीएसई के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) ने आवेदन शुल्क के लिए जमा ईडिउन पोस्टल आर्डर में त्रुटि बताते हुए आवेदन लौटा दिया था। सुनवाई के दौरान आयोग ने स्पष्ट किया कि तकनीकी आधार पर सूचना रोकना आरटीआई कानून की भावना के अनुरूप नहीं है।

### सऊदी अरब में उड़ानों पर संकट, भारत ने उमरा यात्रियों की मदद के लिए मक्का में भी खोला कंट्रोल रुम, कहा-स्थिति जांचे बिना एयरपोर्ट न जाएं

**दुबई, एजेंसी।** भारत और सऊदी अरब के बीच उड़ानें प्रभावित होने के कारण वहां फंसे भारतीय नागरिकों, विशेष रूप से उमरा यात्रियों की मदद के लिए भारत ने मक्का में एक अतिरिक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। जेद्दा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने यह जानकारी दी। यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से सऊदी अरब में असेंय बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए कई धातक ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है, जिससे देशभर में उड़ानें प्रभावित हुई हैं। वाणिज्य दूतावास ने बुधवार को बताया कि नया नियंत्रण कक्ष मक्का स्थित भारतीय हज यात्री कार्यालय में स्थापित किया गया है और जेद्दा में पहले से मौजूद चौबीसों घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष भी अपनी सेवाएं जारी रखेगा। इससे पहले मंगलवार को वाणिज्य दूतावास ने भारतीय नागरिकों, विशेष रूप से जेद्दा और मदीना आने-जाने वाले उमरा यात्रियों को सलाह दी थी कि वे अपनी विमानन कंपनियों के नियमित संपर्क में रहें और हवाई अड्डे के लिए रवाना होने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जरूर पता कर लें। उमरा इस्लाम की एक धार्मिक परंपरा है, जिसे साल में किसी भी समय किया जा सकता है, जबकि हज यात्रा साल में एक निश्चित समय पर होती है।

# दिल्ली में हाईटेक होंगी डीटीसी बसें, एआई तय करेगा रूट और टाइमिंग

## आईआईटी कानपुर तैयार करेगा नया सिस्टम

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली में बसों के संचालन को अधिक व्यवस्थित बनाने और यात्रियों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सेवा देने के लिए दिल्ली परिवहन निगम कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित बस प्रबंधन प्रणाली विकसित करेगा। इसके लिए डीटीसी आइआइटी कानपुर के आरएडब्ल्यूएटी (ऐरावत) रिसर्च फाउंडेशन के साथ सहयोग करने की योजना बना रहा है। नई व्यवस्था के तहत बसों की ड्यूटी तय करने, कर्मचारियों के वेतन प्रबंधन, शिकायतों के निपटारे और टिकटिंग व्यवस्था समेत कई काम तकनीक की मदद से किए जाएंगे। अधिकारियों के अनुसार, इस संबंध में हुई बैठक में आइआइटी कानपुर के साथ सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। मौजूदा बस प्रबंधन प्रणाली को AI और मशीन लर्निंग से उन्नत किया जाएगा। इसमें सीएनजी और क्लस्टर बसों को भी शामिल किया जाएगा, जो फिलहाल पुराने साफ्टवेयर के जरिए संचालित हो रही हैं।

**टिकट मशीनों और राजस्व का भी होगा हिसाब:** नई प्रणाली में इलेक्ट्रानिक टिकटिंग मशीनों को जारी करने,



बसों और कर्मचारियों को आवंटित करने तथा उनके इस्तेमाल की निगरानी की व्यवस्था होगी। डिपो और ड्यूटी के हिसाब से टिकट मशीनों को बस, चालक और परिचालक से जोड़ा जाएगा। मशीनों की वापसी, स्थिति और उपयोग का भी रिकॉर्ड रखा जाएगा। टिकट से होने वाली आय का मिलान और निगरानी भी संबंधित प्रणालियों के एकीकरण से की जाएगी, जिससे मैनुअल काम पर निर्भरता कम होगी।

## रावण के साथ जलेगा 30 फीट का कॉकरोच, दिल्ली की रामलीला में दिखेगा अनोखा नजारा



**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी दिल्ली में इस बार दशहरा पर्व पर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले के साथ 30 फीट ऊंचे कॉकरोच के पुतले का भी दहन किया जाएगा। यह शुरुआत पीतमपुरा में श्री केशव रामलीला समिति की ओर से स्वच्छता का संदेश देने के उद्देश्य से की जा रही है। आयोजक समिति के मुताबिक, कॉकरोच का पुतला गंदगी और मैल का प्रतीक होगा।

श्री केशव रामलीला समिति के अध्यक्ष और भाजपा विधायक अशोक गोयल ने बताया कि कॉकरोच के पुतले का दहन स्वच्छ भारत और स्वच्छ दिल्ली अभियान के संदेश को आगे बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। इस फैसले के पीछे कोई राजनीतिक मंशा नहीं है। रामलीला में बुराई पर अच्छाई की जीत के संदेश के साथ स्वच्छता का महत्व भी बताया जाएगा। रावण की सेना में कॉकरोच को असुरों के रूप में दर्शाया जाएगा और इनका अंत किया जाएगा। **कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शनों के बीच यह फैसला चर्चा में:** कॉकरोच का पुतला जलाने का फैसला ऐसे समय पर आया है, जब राजधानी में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) अपने विरोध प्रदर्शनों को लेकर चर्चा में है। संगठन ने पहले पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेद प्रधान के खिलाफ प्रदर्शन किया था और अब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध कर रहा है। प्रदर्शनों के बाद धर्मेद प्रधान को मंत्री पद छोड़ना पड़ा था। अब सीजेपी विपक्षी दलों और छत्र संगठनों के साथ मिलकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रही है।

# जेलेंस्की और ट्रंप के बीच आर-पार की जंग! अमेरिका ने दी थी चेतावनी, फिर भी यूक्रेन ने रूस की तेल रिफाइनरी पर किया हमला

**मॉस्को, एजेंसी।** रूस और यूक्रेन के बीच जारी भीषण संघर्ष के पांच साल होने वाले हैं। स्थिति यह है कि आज भी यह संघर्ष खत्म होने के बजाय और भयावर रूप लेता नजर आ रहा है। हालांकि अब इस संघर्ष में एक चौंकाने वाला और नया मोड़ सामने आया है। दरअसल, अब इस बात की संभावना ज्यादा तेज हो गई है कि इस लड़ाई में सीधे तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप कूद सकते हैं और चौंकाने वाली बात यह है कि ट्रंप इस बार यूक्रेन की तरफ से नहीं, बल्कि उसके खिलाफ इस संघर्ष में कूद सकते हैं।

बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे भीषण युद्ध में नया मोड़ तब आया, जब ऊर्जा टिकानों पर हुए थोड़े समय के संघर्षविषम को तोड़ते हुए यूक्रेन ने रूस के रियाजान क्षेत्र में स्थित एक ऑयल रिफाइरी पर जोरदार ड्रोन हमला कर दिया है।

इस हमले के बाद से रिफाइरी में भीषण आग लगा गई। इस घटना ने एक तरफ जहां युद्ध को फिर से भड़का दिया है, वहीं दूसरी



तरफ यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के रिश्तों में खटास और गहरी कर दी है।

**क्यों टूटा संघर्षविराम और क्या है पूरा विवाद?:** इस बात को ऐसे समझिए कि पिछले रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने दोनों पक्षों से ऊर्जा बुनियादी ढांचों पर हमले रोकने की मांग की थी। यूक्रेन ने तो ट्रंप की इस बात का मान रखा, लेकिन यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की का आरोप है कि रूस ने इस मांग की कोई परवाह नहीं

की और लगातार यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों पर हवाई बमबारी जारी रखी। यूक्रेन का कहना है कि एक तरफ उसने ट्रंप के कहने पर संघर्षविराम का पालन किया, लेकिन इसके बदले पिछले कुछ दिनों में पश्चिमी देशों ने रूस की बैलिस्टिक मिसाइल हमलों से जुड़ी खुफिया जानकारी देना बंद कर दिया और अमेरिकी स्टारलैंक कम्प्यूटिकेशन टर्मिनलों के इस्तेमाल पर भी पाबंदियां लगा दीं। ये दोनों चीजें यूक्रेनी सेना के लिए बेहद अहम

हैं। अब बस बहुत हो गया- जब जेलेंस्की का छलका दर्द: इन सब बातों से आहत राष्ट्रपति जेलेंस्की ने फाइनैशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में साफ कह दिया कि उनका धैर्य अब जवाब दे चुका है और वे खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। उन्होंने दो टुक कहा कि अब हम चुप नहीं बैठेंगे और इसके साथ ही रूस की ऑयल रिफाइरी पर हमलों के फिर से शुरु होने की घोषणा कर दी।

### अब समझिए जमीन पर क्या हालात हैं?:

रूसी रक्षा मंत्रालय और रियाजान के गवर्नर पावेल माल्कोव के मुताबिक, मॉस्को से लगभग 300 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित इस रिफाइरी पर ड्रोन हमले के बाद आग लग गई। हालांकि, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव का दावा है कि यूक्रेन ने कभी रिफाइरी पर हमले रोके ही नहीं थे, जिससे रूस को नुकसान उठाना पड़ा है। हालांकि नुकसान केवल रूस का नहीं हुआ है। तबाही यूक्रेन में भी बराबर मची है।

समेत 24 से अधिक देशों के नागरिकों के साथ-साथ इन देशों की दोहरी नागरिकता रखने वाले लोग भी शामिल हैं। खबर के अनुसार इन प्रतिबंधों के मद्देनजर विमानन कंपनी ने अपने चालक दल की तैनाती में

### दिल्ली में खत्म होंगे डार्क स्पॉट, सीएम रेखा गुप्ता ने किया 1 लाख स्मार्ट LED लाइटें लगाने का एलान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आस्था कुंज पार्क की घटना के बाद छात्राओं की सुरक्षा और शहर के अंधेरे स्थानों (डार्क स्पॉट) को समस्या के बीच दिल्ली सरकार ने एक लाख स्मार्ट एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाने की परियोजना शुरू की है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को एंड्रयूजगंज बस स्टाप से ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत इस परियोजना का शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य राजधानी की सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर रोशनी बढ़ाने के साथ रात में आवागमन को सुरक्षित बनाना है।

**स्ट्रीट लाइटों की कमी और डार्क स्पॉट की समस्या:** मुख्यमंत्री के डीयू की छात्राओं से संवाद के दौरान शहर के विभिन्न हिस्सों में स्ट्रीट लाइटों की कमी और डार्क स्पॉट की समस्या सामने आई थी। इसके बाद सरकार ने स्मार्ट लाइटें लगाने की पहल की। परियोजना के तहत करीब 45 हजार हाई प्रेशर सोडियम वेपर लाइटों को ऊर्जा-कुशल एलईडी लाइटों से बदला जाएगा। इनके संचालन और निगरानी के लिए सेंट्रल कमांड सेंटर बनाया जाएगा, जहां से प्रत्येक लाइट की स्थिति पर वास्तविक समय में नजर रखी जा सकेगी।

**48 घंटे में ठीक नहीं होने पर लगेगा जुर्माना:** नई व्यवस्था में खराब लाइटों को सूचना मिलने के 48 घंटे के भीतर ठीक करना अनिवार्य होगा।

## अगर हर नागरिक पत्रकार बन जाए, तो इससे सभी के लिए मुश्किलें पैदा होंगी, सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता



एक महिला पत्रकार पर पुरुष पुलिसकर्मी द्वारा कथित हमले का मामला उठाया और पीड़ितों की शिकायतों की जांच के लिए पूर्व महिला न्यायाधीशों तथा पूर्व आईपीएस अधिकारियों की समिति बनाने का सुझाव दिया। पीठ ने केंद्र और दिल्ली पुलिस का

## दिल्ली दंगों में ऑटो ड्राइवर बबू हत्याकांड के 7 आरोपित बरी



ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि हत्या के आरोप को साबित करने के लिए अभियोजन पक्ष की ओर से पेश साक्ष्य पर्याप्त नहीं थे। ऐसे में आरोपितों को हत्या के मामले में दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

**खजूरी चौक पर हुआ था हमला:**

अभियोजन पक्ष के अनुसार, फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दंगों के दौरान खजूरी चौक पर हिंसा हुई थी। इसी दौरान ऑटो चालक बबू पर हमला किया गया था। हमले में गंभीर चोटें लगने के बाद 27 फरवरी 2020 को उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने हिंसा में शामिल भीड़ के सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए हत्या समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया था। अदालत में सुनवाई के दौरान पुलिस आरोपितों की बबू पर हुए जानलेवा हमले में भूमिका को संदेह से परे साबित नहीं कर सकी।

### राफेल के सामने फिसड्डी हैं चीन के जे-16 लड़ाकू विमान, मिसमें हवाई युद्धाभ्यास ने खोली पावर पोल

**बीजिंग एजेंसी।** चीन के जे-16 और फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमानों के बीच मिश्र में हुए हवाई युद्धाभ्यास ने दोनों विमानों की क्षमताओं को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। अगस्त के दूसरे पखवाड़े से सितंबर 2026 की शुरुआत तक चले ‘ईगल्स ऑफ सिविलाइजेशन 2026’ अभ्यास में पहली बार चीनी जे-16 विमानों ने मिश्र के राफेल और मिग-29एम2 विमानों के साथ हवाई युद्ध की परिस्थितियों में प्रशिक्षण लिया। चीनी रक्षा मंत्रालय ने 23 अगस्त के अभ्यास का वीडियो भी जारी किया था, जिसमें जे-16 और राफेल के बीच मध्यम तथा नजदीकी दूरी के हवाई युद्धाभ्यास का उल्लेख किया गया। बाद में कुछ रक्षा समाचार माध्यमों ने दावा किया कि करीबी मुकाबले में राफेल की फुर्ती चीनी पायलटों के लिए विशेष रूप से प्रभावशाली रही। फ्रांस की कंपनी दर्सा द्वारा निर्मित राफेल दो इंजन वाला बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान है। इसकी खासियत केवल गति या हथियारों की क्षमता नहीं, बल्कि उड़ान के दौरान नियंत्रण, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और अलग-अलग प्रकार के अभियानों के अंजाम देने की क्षमता भी है। इसके पंखों और आगे लगे छोटے पंखों का संयोजन विमान को हवा में नियंत्रण और दिशा बदलने में मदद करता है।

## कैप्टन मच्छार पर हमले के बाद इजराइल सख्त; पाकिस्तानी पायलटों पर लगाया प्रतिबंध



समेत 24 से अधिक देशों के नागरिकों के साथ-साथ इन देशों की दोहरी नागरिकता रखने वाले लोग भी शामिल हैं। खबर के अनुसार इन प्रतिबंधों के मद्देनजर विमानन कंपनी ने अपने चालक दल की तैनाती में

बदलाव किया था। इसमें कहा गया है कि विमान अपहरण की कोशिश की घटना के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने विमानों की सुरक्षा प्रक्रियाओं की समीक्षा करने का आदेश दिया था।

# पुलिस ने माँक ड्रिल कर परखी सुरक्षा तैयारियां

उपद्रवियों से निपटने का किया गया अभ्यास ❑ भीड़ नियंत्रण के लिए जवान तैनात ❑ कई जगहों पर बदला गया यातायात मार्ग

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता** **बोकारो।** दुर्गा पूजा सहित आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए बोकारो पुलिस पूरी तरह सतर्क है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए पुलिस लाइन में माँक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसमें उपद्रवियों और पुलिस बल के बीच कार्पनिक झड़प का दृश्य प्रस्तुत कर पुलिस की कार्रवाई और भीड़ नियंत्रण की रणनीति का अभ्यास किया गया।

माँक ड्रिल के दौरान पुलिस जवानों ने संभावित उपद्रव की स्थिति से निपटने, भीड़ को नियंत्रित करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की



तैयारियों का प्रदर्शन किया। इसका उद्देश्य त्योहारों के दौरान किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए पुलिस बल को तैयार रखना है। इस संबंध में चास के सहायक पुलिस अधीक्षक वेदांत शंकर ने बताया कि त्योहारों को लेकर पुलिस प्रशासन ने आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने के

साथ भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूजा के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने और यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए कुछ स्थानों पर मार्ग में बदलाव किया गया है। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है। यातायात में किए गए बदलाव और संबंधित दिशा-निर्देशों की जानकारी मीडिया के माध्यम से आम लोगों तक पहुंचाई गई है, ताकि लोगों को आवागमन में अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। बोकारो पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे दुर्गा पूजा और अन्य त्योहारों को आपसी सौहार्द एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाएं। साथ ही प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें और किसी भी सद्विध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। पुलिस ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना उसकी प्राथमिकता है।

## त्योहारों को लेकर खाद्य पदार्थों के नमूने जांच को भेजे गए

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता** **बोकारो।** त्योहारों के दौरान मिलावटी और असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए बोकारो में खाद्य सुरक्षा विभाग ने जांच अभियान तेज कर दिया है। उपायुक्त एवं अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी के निर्देश पर आज जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित 26 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान एक्सपायर्ड ब्रेड के छह पैकेट नष्ट कराए गए, जबकि हल्दी पाउडर समेत अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए भेजे गए। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी गुलाब लकड़ा, पूजा कुमारी और एमए आलम के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में खाद्य प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन की जांच की गई। जिन खाद्य कारोबारियों ने भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मांका प्राधिकरण (एफएसएसआई) से आवश्यक पंजीकरण या लाइसेंस नहीं लिया है, उन्हें नोटिस जारी किया गया।

जांच के दौरान संग्रहित खाद्य पदार्थों के नमूने राज्य खाद्य जांच प्रयोगशाला, रांची भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के संबंध में आगे की कार्रवाई की जाएगी। अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी ने खाद्य कारोबारियों को निर्माण और भंडारण के दौरान साफ-सफाई बनाए रखने तथा खाद्य पदार्थों में अखाद्य रंगों का इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश दिया है। साथ ही, बाहर से आने वाली सिंथेटिक एवं नकली मिठाई, खरीद और अन्य खाद्य पदार्थों की पनीर-बिक्री में विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले कारोबारियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आम लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से त्योहारों के दौरान यह अभियान जारी रहेगा।

## पथ संचलन में आरएसएस ने दिया अनुशासन और राष्ट्रसेवा का संदेश

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता** **बोकारो।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की जरीडीह खंड की एकलव्य प्रभात शाखा के तत्वावधान में पथ संचलन का आयोजन किया गया। बिजली कार्यालय से शुरू हुआ पथ संचलन बालिका उच्च विद्यालय होते हुए बाणडीह उच्च विद्यालय के मैदान तक पहुंचा। इस दौरान स्वयंसेवकों ने अनुशासित कदमताल के माध्यम से संगठन, राष्ट्रभक्ति, सामाजिक एकता और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण का संदेश दिया। पथ संचलन में स्वयंसेवकों की अनुशासित सहभागिता देखने को मिली। निर्धारित मार्ग पर एकजुट होकर आगे बढ़ते स्वयंसेवकों ने संगठन की कार्यपद्धति और सामूहिक अनुशासन का परिचय दिया। आयोजन के माध्यम से समाज में आपसी सहृदय, सेवा भावना और राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से आयोजित इस तरह के कार्यक्रमों का



उद्देश्य समाज में संस्कार, सामाजिक समरसता, संगठन और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है। आयोजकों के अनुसार, अनुशासन और एकता किसी भी सामाजिक संगठन की महत्वपूर्ण आधारशिला है। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच परस्पर सहयोग और सद्भाव बनाए रखने में ऐसे आयोजनों की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है। कार्यक्रम में जिला संचालक रवि सिंराला, विभाग कार्यवाह धीरेंद्र कुमार, सह जिला कार्यवाह शंकर

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता** **बोकारो।** आगामी दुर्गा पूजा 2026 को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में बेरमो अनुमंडल पदाधिकारी मनोज कुमार और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रविंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में कसमार और जरीडीह क्षेत्र के प्रमुख पूजा पंडालों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान प्लेग मार्च निकालकर लोगों से शांति और सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की गई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पूजा पंडालों में विद्युत व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, सीसीटीवी कैमरों, अग्निशमन यंत्रों, महिलाओं की सुरक्षा और यातायात प्रबंधन का जायजा लिया। उन्होंने पूजा समितियों के सदस्यों और संबंधित थाना प्रभारियों के साथ बैठक कर सरकार की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने को कहा। एसडीएम मनोज कुमार और

पुल के नीचे गिरी कार, बाल-बाल बचे लोग

**बोकारो।** बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर-12 थाना क्षेत्र स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-23 पर उकरीद मोड़ के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पुल के नीचे जा गिरी। हादसे में कार चालक बाल-बाल बच गया। दुर्घटना के दौरान कार के दोनों एयरबैग खुल जाने से चालक की जान बच गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। जानकारों के अनुसार, बालीडीह रेलवे कॉलोनी निवासी प्रदीप पुरूलिया से अपनी कार से रेलवे कॉलोनी लौट रहे थे। इसी दौरान उकरीद मोड़ के पास विपरीत दिशा से एक बाइक आ गई। बाइक को बचाने के प्रयास में कार चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। कार का ब्रेक नहीं लगने के कारण वह अनियंत्रित होकर पुल के नीचे जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार जिस तरह उछलते हुए पुल के नीचे गिरी, उससे बड़ा हादसा होने की आशंका थी। हालांकि, दुर्घटना के दौरान कार के दोनों एयरबैग खुल गए, जिससे चालक को गंभीर चोट नहीं आई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।

### खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए 2,536 नई योजनाओं का प्रस्ताव

## डीएमएफटी की बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और आधारभूत संरचना पर जोर

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता** **धनबाद।** उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय स्थित बहुउद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की न्यास परिषद की बैठक हुई। इसमें खनन प्रभावित क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए जनप्रतिनिधियों की अनुशंसा पर 2,536 नई योजनाओं के अनुमोदन का प्रस्ताव रखा गया। उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन पारदर्शिता के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। अगले तीन से छह महीनों में अधिकांश योजनाओं का असर दिखने लगेगा। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की कमी की शिकायत मिलने पर दो से तीन दिनों में जांच दल भेजकर कार्रवाई करने की बात कही। साथ ही, जमीन संबंधी विवादों और स्थानीय अड़चनों को दूर करने में जनप्रतिनिधियों से सहयोग मांगा। उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने बताया कि प्रस्तावित योजनाओं में 70 प्रतिशत राशि पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, सफाया एवं बाल कल्याण तथा कौशल विकास जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए और 30 प्रतिशत सड़क, ऊर्जा व अन्य आधारभूत सुविधाओं के लिए निर्धारित करने



की रूपरेखा है। इसके अलावा 419 नए आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण, पेयजल योजनाओं के सुदृढीकरण, 793 तालाबों के जीर्णोद्धार की पहल और ग्रामीण हाट-बाजारों के विकास पर भी जानकारी दी गई। बैठक में विधायक मधुसू प्रसाद महतो, राज सिन्हा, अरूप चटर्जी और चंद्रदेव महतो ने शिक्षा, सड़क, जल निकासी, पुस्तकालय, स्वास्थ्य सुविधाओं और पर्यटन विकास से जुड़े सुझाव दिए। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी और पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## 101 कन्याओं का पूजन कर पूर्व विधायक ने दिया नारी सम्मान का संदेश

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता** **बोकारो।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की जरीडीह खंड की एकलव्य प्रभात शाखा के तत्वावधान में पथ संचलन का आयोजन किया गया। बिजली कार्यालय से शुरू हुआ पथ संचलन बालिका उच्च विद्यालय होते हुए बाणडीह उच्च विद्यालय के मैदान तक पहुंचा। इस दौरान स्वयंसेवकों ने अनुशासित कदमताल के माध्यम से संगठन, राष्ट्रभक्ति, सामाजिक एकता और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण का संदेश दिया। पथ संचलन में स्वयंसेवकों की अनुशासित सहभागिता देखने को मिली। निर्धारित मार्ग पर एकजुट होकर आगे बढ़ते स्वयंसेवकों ने संगठन की कार्यपद्धति और सामूहिक अनुशासन का परिचय दिया। आयोजन के माध्यम से समाज में आपसी सहृदय, सेवा भावना और राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से आयोजित इस तरह के कार्यक्रमों का



उद्देश्य समाज में संस्कार, सामाजिक समरसता, संगठन और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है। आयोजकों के अनुसार, अनुशासन और एकता किसी भी सामाजिक संगठन की महत्वपूर्ण आधारशिला है। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच परस्पर सहयोग और सद्भाव बनाए रखने में ऐसे आयोजनों की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है। कार्यक्रम में जिला संचालक रवि सिंराला, विभाग कार्यवाह धीरेंद्र कुमार, सह जिला कार्यवाह शंकर

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता** **बोकारो।** आगामी दुर्गा पूजा 2026 को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में बेरमो अनुमंडल पदाधिकारी मनोज कुमार और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रविंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में कसमार और जरीडीह क्षेत्र के प्रमुख पूजा पंडालों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान प्लेग मार्च निकालकर लोगों से शांति और सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की गई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पूजा पंडालों में विद्युत व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, सीसीटीवी कैमरों, अग्निशमन यंत्रों, महिलाओं की सुरक्षा और यातायात प्रबंधन का जायजा लिया। उन्होंने पूजा समितियों के सदस्यों और संबंधित थाना प्रभारियों के साथ बैठक कर सरकार की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने को कहा। एसडीएम मनोज कुमार और

**एसडीपीओ** रविंद्र कुमार सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिया कि पूजा के दौरान डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और अश्लील गानों का प्रसारण नहीं किया जाएगा। सभी पूजा पंडालों में प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग द्वार बनाने, पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने तथा स्वयंसेवकों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया। अधिकारियों ने सुरक्षा मानकों की अनदेखी नहीं करने की हिदायत भी दी। प्रशासन ने पूजा समितियों से श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की। साथ ही, भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने और यातायात व्यवस्था सुचारू रखने पर जोर दिया। इस दौरान जरीडीह के अंचलाधिकारी, कसमार थाना प्रभारी कुंदन कुमार, जरीडीह थाना प्रभारी बिपिन चंद्र महतो सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। अधिकारियों ने कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है।

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता** **बोकारो।** भारतीय स्टेट बैंक और एंडोस्ट्रीज के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को चैंबर भवन में सिक्का एवं करेंसी वितरण सह वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य त्योहारी बाजार में छोटे नोटों और सिक्कों की कमी दूर करने के साथ व्यापारियों को बैंकिंग सुविधाओं और ऋण योजनाओं की जानकारी देना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसबीआई बोकारो के सहायक महाप्रबंधक प्रमोद कुमार उपस्थित थे। चैंबर अध्यक्ष मनोज चौधरी ने कहा कि दुर्गा पूजा और दशहरा के दौरान छोटे नोटों एवं सिक्कों की कमी से व्यापारियों को लेन-देन में परेशानी हो रही थी। बैंक की यह पहल व्यापारियों के लिए राहतकारी है। चैंबर महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने कहा कि बैंक और व्यापारी एक-दूसरे के पूरक हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक प्रियंका सिंह के सहयोग से यह कार्यक्रम संभव हुआ। प्रमोद कुमार ने व्यापार ऋण, वाहन

लालमोहन हेंब्रम, कल्याणी गुप्ता और खुशबू कुमारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में बाल संस्कार केंद्र के आचार्यों का योगदान रहा। बड़ी संख्या में ग्रामीण भी शामिल हुए। **किशोरियों को किया गया जागरूक** **बोकारो।** कसमार प्रखंड के बगियारी गांव में सहयोगिनी संस्था की ओर से किशोरियों एवं महिलाओं को यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य तथा अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें स्वास्थ्य, मासिक धर्म स्वच्छता, पोषण, व्यक्तिगत स्वच्छता और प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। प्रशिक्षक कुमारी मंजू ने कहा कि किशोरावस्था में शारीरिक और मानसिक बदलाव होते हैं। ऐसे में किशोरियों को संतुलित आहार, स्वच्छता और अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने मासिक धर्म के दौरान सच्छता बनाए रखने और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर खुलकर चर्चा करने की जरूरत बताई। समन्वयक ने कहा कि किशोरियों और महिलाओं के लिए स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी आवश्यक है। उन्होंने हस्त पड़ने पर स्वास्थ्यकर्मियों से परामर्श लेने की सलाह दी। संस्था के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने कहा कि सहयोगिनी किशोरियों और महिलाओं के स्वास्थ्य, संचालक, नेतृत्व क्षमता के विकास तथा सरकारी योजनाओं से जुड़ाव के लिए लगातार काम कर रही है।

लालमोहन हेंब्रम, कल्याणी गुप्ता और खुशबू कुमारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में बाल संस्कार केंद्र के आचार्यों का योगदान रहा। बड़ी संख्या में ग्रामीण भी शामिल हुए।

**किशोरियों को किया गया जागरूक** **बोकारो।** कसमार प्रखंड के बगियारी गांव में सहयोगिनी संस्था की ओर से किशोरियों एवं महिलाओं को यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य तथा अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें स्वास्थ्य, मासिक धर्म स्वच्छता, पोषण, व्यक्तिगत स्वच्छता और प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। प्रशिक्षक कुमारी मंजू ने कहा कि किशोरावस्था में शारीरिक और मानसिक बदलाव होते हैं। ऐसे में किशोरियों को संतुलित आहार, स्वच्छता और अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने मासिक धर्म के दौरान सच्छता बनाए रखने और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर खुलकर चर्चा करने की जरूरत बताई। समन्वयक ने कहा कि किशोरियों और महिलाओं के लिए स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी आवश्यक है। उन्होंने हस्त पड़ने पर स्वास्थ्यकर्मियों से परामर्श लेने की सलाह दी। संस्था के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने कहा कि सहयोगिनी किशोरियों और महिलाओं के स्वास्थ्य, संचालक, नेतृत्व क्षमता के विकास तथा सरकारी योजनाओं से जुड़ाव के लिए लगातार काम कर रही है।

लालमोहन हेंब्रम, कल्याणी गुप्ता और खुशबू कुमारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में बाल संस्कार केंद्र के आचार्यों का योगदान रहा। बड़ी संख्या में ग्रामीण भी शामिल हुए।

## 7वें दिन विस्थापितों का उग्र हुआ आंदोलन



**नवबिहार टाइम्स संवाददाता** **बोकारो।** बीएसएल में नियोजन की मांग को लेकर विस्थापित अंप्रेंटिस संघ और विस्थापित परिवारों का आंदोलन लगातार उग्र होता जा रहा है। अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के सातवें दिन शुक्रवार को आंदोलनकारियों ने बीएसएल के मुख्य द्वार को छोड़कर अन्य सभी गेट पर अग्निशमन यंत्रों, महिलाओं की सुरक्षा और यातायात प्रबंधन का जायजा लिया। उन्होंने पूजा समितियों के सदस्यों और संबंधित थाना प्रभारियों के साथ बैठक कर सरकार की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने को कहा। एसडीएम मनोज कुमार और

अपनी जमीन दी, लेकिन आज भी उनके परिवारों के युवाओं को रोजगार के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।आंदोलनकारियों ने आरोप लगाया कि प्रेम महतो की मौत के बाद हुई त्रिपक्षीय वार्ता में नियोजन के मुद्दे पर सहमति बनी थी। इसके बावजूद 16 महीने बीत जाने के बाद भी इस दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी नाराजगी के कारण आंदोलन तेज करना पड़ा है। इधर, बोकारो की विधायक श्वेता सिंह सातवें दिन भी धरनास्थल पर डटी हुई हैं। वह विस्थापितों की मांगों के समर्थन में आंदोलनकारियों के साथ खड़ी हैं। वहीं, सांसद ने भी नियोजन की मांग का समर्थन किया है। आंदोलन के तेज होने से बीएसएल प्रबंधन के सामने गतिरोध दूर करने की चुनौती बढ़ गई है। अब सभी की नजर प्रबंधन और आंदोलनकारियों के बीच होने वाली संभावित वार्ता पर टिकी है। विस्थापित परिवारों को उम्मीद है कि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक उम्मीद लिया जाएगा।

### आंदोलन को आम आदमी पार्टी का समर्थन

**बोकारो।** बोकारो इस्पात संयंत्र में विस्थापितों के नियोजन की मांग को लेकर चल रहे अनिश्चितकालीन अनशन को शुक्रवार को आम आदमी पार्टी ने समर्थन दिया। पार्टी के जौनल प्रभारी विधान चंद्र राय के नेतृत्व में जिला सचिव

## नियुक्ति पत्र पाकर खिले युवाओं के चेहरे

1,890 युवाओं ने करारा निबंधन, 1,328 का हुआ चयन, 14 कंपनियों ने लिया हिस्सा



**नवबिहार टाइम्स संवाददाता** **बोकारो।** बोकारो के कैप-टो स्थित शिवू सोरेन स्मृति भवन यानी नगर भवन में शुक्रवार को रोजगार और स्वरोजगार मेले का आयोजन किया गया। दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत आयोजित इस मेले में 14 कंपनियों ने हिस्सा लिया। विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे कुल 1,890 युवक-युवतियों ने निबंधन कराया, जबकि साक्षात्कार के बाद 1,328 सफल अभ्यर्थियों को मौके पर ही नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

कार्यक्रम का आयोजन उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार की अध्यक्षता में किया गया। मेले का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्रशिक्षित एवं योग्य युवाओं को निजी कंपनियों में रोजगार उपलब्ध कराना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था। मेले में चंदनकियारी, चास, चंद्रपुरा, जरीडीह, बेरमो और नावाडीह प्रखंड के बड़ी संख्या में युवक-युवतियों ने भाग लिया। तकनीकी, विनिर्माण, वस्त्र, अभियंत्रण और मानव संसाधन सहित विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों ने अपने प्रतिष्ठान लगाए और अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया। उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि 1,890 आवेदकों में से 1,328 युवाओं को नियुक्ति पत्र मिलना बड़ी उपलब्धि है। जिला प्रशासन युवाओं की प्रतिभा को निखारने और उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास करता रहेगा। मेले में रोजगार के साथ-साथ युवाओं को स्वरोजगार योजनाओं, सरकारी ऋण सुविधाओं और कौशल विकास कार्यक्रमों की जानकारी भी दी गई। इसका उद्देश्य युवाओं को अपना उद्यम शुरू करने और दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर प्रशिक्षु भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी अरविंद राधाकृष्णन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक अनिल डुंगुडुंग सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

## एसबीआई ने व्यापारियों के बीच बांटे सिक्के और छोटे नोट

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता** **बोकारो।** भारतीय स्टेट बैंक और एंडोस्ट्रीज के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को चैंबर भवन में सिक्का एवं करेंसी वितरण सह वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य त्योहारी बाजार में छोटे नोटों और सिक्कों की कमी दूर करने के साथ व्यापारियों को बैंकिंग सुविधाओं और ऋण योजनाओं की जानकारी देना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसबीआई बोकारो के सहायक महाप्रबंधक प्रमोद कुमार उपस्थित थे। चैंबर अध्यक्ष मनोज चौधरी ने कहा कि दुर्गा पूजा और दशहरा के दौरान छोटे नोटों एवं सिक्कों की कमी से व्यापारियों को लेन-देन में परेशानी हो रही थी। बैंक की यह पहल व्यापारियों के लिए राहतकारी है। चैंबर महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने कहा कि बैंक और व्यापारी एक-दूसरे के पूरक हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक प्रियंका सिंह के सहयोग से यह कार्यक्रम संभव हुआ। प्रमोद कुमार ने व्यापार ऋण, वाहन

लालमोहन हेंब्रम, कल्याणी गुप्ता और खुशबू कुमारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में बाल संस्कार केंद्र के आचार्यों का योगदान रहा। बड़ी संख्या में ग्रामीण भी शामिल हुए।

**शिक्षक हुए सम्मानित** **बोकारो।** सरस्वती विद्या मंदिर के चतुर्थ वर्ग कर्मचारी एवं परीक्षा विभाग के सहयोगी कार्तिक कर्मकार की सेवानिवृत्ति पर विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उन्होंने 1 मई 1999 से 30 सितंबर 2026 तक लगभग 27 वर्षों तक विद्यालय में अपनी सेवाएं दीं। इस दौरान उन्होंने निष्ठा, ईमानदारी और अनुशासन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया।